पटना ●सोमवार, 30 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः260 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

मोतिहारी रनवे - 2024' का हुआ भव्य.. 3 www. bordernewsmirror.com नवाजुद्दीन सिद्दिकी एक... 8

हरियाणा में हर अग्निवीर को देंगे पेंशन वाली नौकरी

अमित शाह बोले-राहुल गांधी झूठ बोलने की मशीन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के बादशाहपुर में एक जनसभा के दौरान अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता 'राहुल बाबा' झूठ बोलने की मशीन हैं। वो कह रहे हैं अग्निवीर योजना इसलिए लायी गई क्योंकि सरकार उन्हें पेंशन वाली नौकरी नहीं देना चाहती। अग्निवीर योजना केवल और केवल हमारी सेना को जवान बनाए रखने के लिए बनाई गई। अमित शाह ने आगे कहा, मैं आज कहकर जाता हूं हरियाणा की माताओं को बहनों को अपने नौनिहालों को सेना में भेजते वक्त मत झिझकिएगा।

हरियाणा के एक-एक अग्निवीर को हरियाणा सरकार और भारत सरकार पेंशन वाली नौकरी देने वाली है। मैं आज बाहशाहपुर में कहकर जाता हूं पांच साल के

बाद कोई अग्निवीर ऐसा नहीं होगा, जिसके पास पेंशन वाली नौकरी नहीं होगी। किसी को डरने की जरूरत नहीं है। इसी जनसभा में अमित शाह ने वक्फ बोर्ड कानून को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस शीत सत्र में वक्फ बोर्ड कानून को सुधार कर सीधा करने का काम करेंगे।

मुझे रोकना चाहते हैं पीएमः वहीं आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी रविवार को बादशाहपुर में थे। यहां उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से कहा कि पीएम मोदी ने सोचा कि केजरीवाल ने तो पंजाब और दिल्ली में सरकार बना ली। गोवा और गुजरात में विधायक जीत गए। अब वो हरियाणा में सरकार बना लेगा। इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी मुझे रोकना चाहते हैं। केजरीवाल ने आगे कहा कि आप देश के प्रधानमंत्री हो, आपके पास बहुत पैसा है, आपको 5000 मोहल्ला क्लीनिक बनाने चाहिए। यह ठीक नहीं है कि आप केजरीवाल के 500 मोहल्ला क्लीनिक बंद करना चाहते हैं।

कश्मीर की सड़कों पर हिजबुल्ला संगठन के सपोर्ट में उतरे लोग

- इजरायल के खिलाफ की जमकर नारेबाजी, पीडीपी का समर्थन

श्रीनगर (एजेंसी)। बेरूत में मारे गए हिजबुल्लाह प्रमुख की मौत के विरोध में भारत में भी प्रदर्शन किया गया। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में हिजबुल्लाह के सपोर्ट में लोग सड़कों पर उतर आए। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोग काले झंडे लेकर शहर के हसनाबाद, रैनावाड़ी, सैदाकदल, मीर बिहारी और आशाबाग इलाकों में सड़कों पर उतर आए। हालांकि, प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने इजराइल और अमेरिका-विरोधी नारे लगाए और लेबनानी चरमपंथी समूह के शीर्ष नेता की हत्या की निंदा की। सोशल मीडिया पर इस प्रदर्शन के वीडियो भी बड़ी संख्या में वायरल हो रहे हैं। प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात कर दिया गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता आगा रूहुल्ला ने इस प्रदर्शन का साथ देते हुए अपना चुनाव प्रचार रद्द कर दिया तो वहीं पीडीपी की महबूबा मुफ्ती ने भी अपना प्रचार अभियान रद्द कर दिया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस प्रदर्शन को करने में भूमिका निभाने वाले अंजुमन-ए-शरी के अध्यक्ष शियान आगा सैयद ने कहा कि हम उनकी (हसन नसरल्लाह) मौत पर कितना भी शोक मनाएं, यह हमेशा कम होगा... शांति होनी चाहिए और यही उनका मिशन था।

अब हिजबुल्लाह का नामोनिशान मिटाने की तैयारी में इजरायल

लेबनान बॉर्डर के पास पहुंचे इजराइली टैंक,जमीनी हमले का है प्लान

तेलअवीव (एजेंसी)। हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद रविवार को इजराइल ने लेबनान से सटी सीमा पर टैंक तैनात कर दिए। अलजजीरा ने इनकी तस्वीरें भी जारी की हैं। वहीं अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उन्हें नसरल्लाह पर हमले के बारे में पता था। इजराइल ने ऑपरेशन के लिए लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने के बाद उन्हें जानकारी दी थी। हालांकि, इजराइल ने दावा किया है कि उसने ऑपरेशन शुरू करने से पहले ही अमेरिका को संदेश भेज दिया था। दूसरी तरफ नसरल्लाह की मौत के बाद भी शनिवार को इजराइल ने लेबनान में हमले जारी रखे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों में 33 लोगों की मौत हो गई, जबकि 195 घायल हुए हैं। आईडीएफ ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि नसरल्लाह को मारने के लिए 27 सितंबर को इजराइल ने 8 लड़ाकू विमान भेजे थे। इनके जरिए हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 2 हजार पाउंड के 15 बम गिराए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, ये अमेरिका में बने एम-109 बम थे, जिन्हें बंकर बस्टर भी कहा जाता है। ये लोकेशन पर अंडरग्राउंड तक घुसकर विस्फोट करने में सक्षम होते हैं। हसन नसरल्लाह को ठिकाने लगाने के बाद इजरायल के नए इरादों की झलक मिली है।

अब वह हिजबुल्लाह का नामोनिशान मिटाने की तैयारी में जुट गया है। इसके तहत उसने लेबनान सीमा पर अभियान भी शुरू कर दिया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी।

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र को दी करोड़ों की सौगात

- सोलापुर एयरपोर्ट समेत कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महाराष्ट्र में पुणे मेट्रो के पहले चरण (फेज-1) और अपग्रेडेड सोलापुर एयरपोर्ट समेत कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इससे पहले पीएम मोदी को 26 सितंबर को 11 हजार 200 करोड़ रुपये से ज्यादा लागत की इन परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ करना था। पुणे और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण पीएम मोदी ने महाराष्ट्र का अपना दौरा रद्द कर दिया था। इस अवसर पर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि इन परियोजनाओं से शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा और लोगों के लिए जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। पीएम मोदी ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना (फेज-1) के पूरा होने पर जिला न्यायालय से स्वारगेट तक पुणे मेट्रो सेक्शन का उद्घाटन करते हुए कहा कि अब इस मार्ग पर मेट्रो ट्रेनें चलेंगी। भूमिगत खंड (अंडरग्राउंड सेक्शन) की लागत लगभग 1,810 करोड़ रुपये है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने स्वारगेट-कात्रज एक्सटेंशन ऑफ पुणे मेट्रो फेज-1 की आधारशिला रखी। इसकी लागत लगभग 2,955 करोड़ रुपये होगी। यह 5.46 किमी लंबा दक्षिणी विस्तार पूरी तरह से अंडरग्राउंड है और इसमें मार्केट यार्ड, पद्मावती और कात्रज (कटराज) तीन स्टेशन होंगे। पुणे के भिड़ेवाड़ा में क्रांतिज्योती सावित्रीबाई फुले के पहले बालिका विद्यालय के स्मारक की आधारशिला रखते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश की आजादी से पहले सामाजिक परिस्थितियां ऐसी थी कि गरीबों के साथ भेदभाव किया जाता था। ऐसे में लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना बहुत कठिन था। सावित्रीबाई फुले उन प्रतिष्ठित लोगों में से थीं जिन्होंने लड़कियों के लिए शिक्षा के द्वार खोले। इसके अलावा पीएम मोदी ने सोलापुर एयरपोर्ट का उद्घाटन भी किया। इससे कनेक्टिविटी में सुधार होगा। इससे सोलापुर पर्यटकों, व्यापारिक यात्रियों और निवेशकों के लिए अधिक सुलभ हो जाएगा। लाख यात्रियों की सेवा के लिए पुनर्निर्मित किया गया है।

कर्मों का फल भुगत रहा पाकिस्तान, खुद को बर्बाद करने पर तुला

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूएन में पड़ोसी देस को खूब लताड़ा

कहा-पाकिस्तान की नीतियां उसके ही समाज को खत्म कर रही हैं

जिनेवा (एजेंसी)। यूएन में शहबाज शरीफ के भारत के खिलाफ जहर उगलने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। उन्होने कहा कि दूसरे की जमीन पर कब्जा करने वाले देश की असलियत सामने आनी चाहिए। शहबाज शरीफ ने यूएन में कहा था कि भारत हिंदुत्व के एजेंडे को लेकर चल रहा है और फिलिस्तीनियों की तरह जम्मू-कश्मीर के लोग भी अपनी आजादी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसपर जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान की आतंकवादी नीति कभी सफल नहीं हो पाएगी। पाकिस्तान को कभी माफ नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, अब केवल पीओके का मुद्दा बचा है जिसका हल निकालना है। वहीं लंबे समय से आतंकवाद का समर्थन करने की वजह से पाकिस्तान खुद में ही अकेला पड़ गया है।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ खड़ी है। बता दें कि कुछ ही हफ्तों बाद एससीओ सम्मेलन में शामिल होने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान भी जाने वाले हैं। सरकार के सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में भारत की ज्यादा प्रतिभागिता नहीं रहेगी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में जयशंकर ने यह भी कहा कि यूएन द्वारा घोषित वैश्विक आतंकवादियों को भी पाकिस्तान पनाह देता है।

कोलकाता प्रोटेस्ट 2.0

डॉक्टरों का ममता सरकार को अल्टीमेटम, सुप्रीम कोर्ट पर नजर

- जूनियर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेजों में काम बंद करने का लिया फैसला
- पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार के लिए फिर से खड़ी हुई नई मुश्किल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के लिए नई मुश्किल खड़ी होती नजर आ रही है। यहां पर जूनियर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेजों में पूरी तरह से काम बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला शनिवार को लिया गया। सोमवार को आरजी कर मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होने वाली है। इस सुनवाई के बाद अगर डॉक्टर संतुष्ट नहीं हुए तो हड़ताल पर चले जाएंगे। डॉक्टरों ने यह फैसला शुक्रवार को हुई उस घटना के बाद लिया है, जिसमें तीन डॉक्टरों और तीन नर्स पर हमले हुए हैं। यह घटना कोलकाता के नजदीक 'कॉलेज ऑफ मेडिसिन और सागर दत्ता अस्पताल' में हुई। एक मरीज की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने घटना को अंजाम दिया। गौरतलब है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के बाद से ही माहौल काफी अशांत है।

12 साल पुराने मामले में मुझे जेल भेजने की है साजिश

- मोदी सरकार के मंत्री का बड़ा दावा, कांग्रेस सरकार पर लगाए आरोप
- कहा-सिद्धा ने खुद को बचाने के लिए लोकायुक्त संस्था को किया बंद

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मोदी सरकार के मंत्री ने कहा कि कांग्रेस उन्हें 12 साल पुराने मामले में जेल भेजने की साजिश कर रही है। कुमारस्वामी ने दावा किया कि खुद मुख्यमंत्री के खिलाफ राज्य लोकायुक्त में 70 मामले लंबित हैं और उन्होंने जनता से इन मामलों की जानकारी छिपाई है। बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए कुमारस्वामी ने कहा, अगर सीएम सिद्धारमैया ईमानदार हैं, तो उनके खिलाफ इतने सारे मामले क्यों दर्ज हैं। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि सिद्धारमैया ने खुद को बचाने के लिए लोकायुक्त संस्था को बंद कर दिया और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्थापना की।

चंद्रयान-3 जहां उतरा था, खुला उसका राज

- वैज्ञानिकों ने बताया क्यों है वह जगह बहुत ही खास
- मिशन और उपग्रहों से प्राप्त चित्रों का विश्लेषण जारी

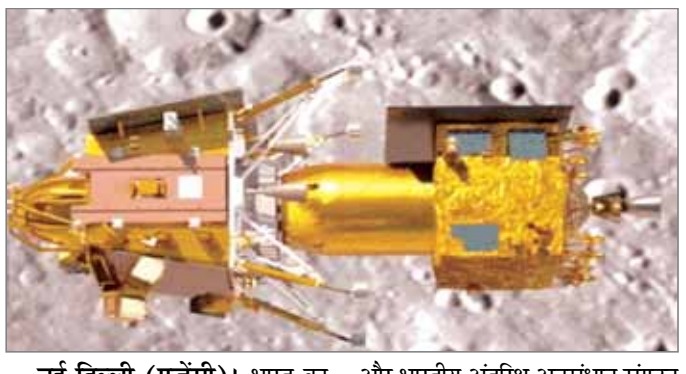

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का चंद्रयान-3 संभवतः चंद्रमा के सबसे पुराने 'क्रेटर' में से एक पर उतरा था। मिशन और उपग्रहों से प्राप्त चित्रों का विश्लेषण करने वाले वैज्ञानिकों ने यह संभावना जताई है। किसी भी ग्रह, उपग्रह या अन्य खगोलीय वस्तु पर गड्ढे को 'क्रेटर' कहा जाता है। ये 'क्रेटर' ज्वालामुखी विस्फोट से बनते हैं। इसके अलावा किसी उल्का पिंड के किसी अन्य पिंड से टकराने से भी 'क्रेटर' बनते हैं। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के शोधकर्ताओं ने बताया कि चंद्रमा जिस 'क्रेटर' पर उतरा है वह 'नेक्टरियन काल' के दौरान बना था। 'नेक्टरियन काल' 3.85 अरब वर्ष पहले का समय है और यह चंद्रमा की सबसे पुरानी समयावधियों में से एक है। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के ग्रह विज्ञान प्रभाग में 'एसोसिएट प्रोफेसर' एस. विजयन ने कहाकि चंद्रयान-3 जिस स्थल पर उतरा है वह एक अद्वितीय भूगर्भीय स्थान है।

जम्मू में भाषण के दौरान बेहोश हुए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे

- बोले-इतनी जल्दी मरने वाला नहीं, जब तक मोदी को हटाएंगे नहीं, जिंदा रहूंगा

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए मंच पर बेहोश हो गए। खड़गे कल कठुआ में जाने गंवाने वाले कॉन्स्टेबल को श्रद्धांजलि दे रहे थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। भाषण देते हुए खड़गे की आवाज धीमी होती चली गई और अचानक वे बेसुध हो गए। इसके चलते भीड़ में अफरा-तफरी मच गई। मंच पर खड़े लोगों ने उन्हें सहारा देकर बैठाया। इसके बाद उनके भाषण को रोक दिया गया। तबीयत ठीक होने के बाद खड़गे वापस मंच पर आए और कहा कि मैं 83 साल का हो गया हूं। लेकिन इतनी जल्दी मरने वाला नहीं हूं। जब तक मोदी को हटाएंगे नहीं, मैं जिंदा रहूंगा। आपकी बात सुनता रहूंगा। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए बात रखता रहूंगा।

तिरुपति लड्डू विवाद

वायएसआरसीपी नेताओं ने किया क्षमायाचना अनुष्ठान

अमरावती (एजेंसी)। वाईएसआरसीपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को 'क्षमायाचना' अनुष्ठान किया। उन्होंने कहा कि इसके जरिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की ओर से किए गए 'पाप' का प्रायश्चित किया गया, जिन्होंने तिरुपति लड्डुओं की पवित्रता पर सवाल उठाए थे। नायडू ने हाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायक दल की बैठक में गंभीर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि पिछली वायएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकेटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने में घटिया सामग्री व पशु चर्बी का इस्तेमाल किया। सीएम नायडू के इन आरोपों से हिंदू भावनाएं आहत हुईं और देशभर में जनाक्रोश भड़क गया।

बिहार में बाढ़ से हाल बेहाल, कई घर पानी में समाए, रेलवे ट्रैक पर पानी चढ़ने से ट्रेनें कैंसिल

पटना, एजेंसी। बिहार में भारी के बाद लगभग सभी नदियों में उफान आ गया है। नेपाल में भी भारी वर्षा के कारण आज (29 सितंबर 2024) सुबह पांच बजे कोसी बराज, वीरपुर से 6,61,295 क्यूसेक जलस्राव हुआ है, जो 1968 के बाद सर्वाधिक है। तटबंधों की सुरक्षा के लिए जल संसाधन विभाग की टीमें दिन-रात तत्पर हैं।

पलासी प्रखंड में बकरा नदी पर मनरेगा से बना बांध ककोड़वा और डेहटी मीरभाग के समीप कुछ हिस्से में देर रात टूट गया। डेहटी मीरभाग में लगभग 60 फीट तो ककोड़वा में 10-15 फीट बांध टूटा है।

इसके कारण दक्षिण डेहटी और भिखा पंचायत में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। पानी आने से दक्षिण डेहटी पंचायत ज्यादा प्रभावित हुआ है।

इधर बकरा, नूना, परमान और कनकई नदी में पानी घटने की रफ्तार बहुत सुस्त है। बाढ़ प्रभावित सिकटी, पलासी, जोकीहाट, कुर्साकांटा और फारबिसगंज प्रखंड क्षेत्रों में स्थिति अभी भी यथावत है।

बाढ़ से दो दर्जन से अधिक पंचायत प्रभावित है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के सहायक अभियंता कमल कुमार ने बताया कि नदी का पानी घट-बढ़ रहा है। पलासी में बकरा नदी पर मनरेगा से बना बांध दो जगहों पर टूटा है। फिलहाल वहां तक जाने का रास्ता नहीं

होने के कारण मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ है। इधर, घर-आंगन में पानी आने से लोग अपने स्वजन या फिर ऊंचे स्थलों पर शरण ले रहे हैं। प्रशासन के द्वारा सारी व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है।

बांका जिला के शंभूगंज प्रखंड में रामचुआ नहर बारिश के पानी के दबाव में टूटने से लगभग 50 एकड़ खेत में लगे धान फसल प्रभावित होने की संभावना है। किसान खेत से पानी निकालने में जुटे हैं। अगर खेत से पानी नहीं निकला तो धान फसल क्षति होने की संभावना है।

रामचुआ नहर बदुआ नदी से जुड़ा है। इससे रामचुआ एवं छत्रहार पंचायत के गोयड़ा, बालाची, सहरोय सहित अन्य गांव के किसानों के खेत प्रभावित होने का अनुमान है।

किसान रविन्द्र सिंह ने कहा कि लगातार तीन दिनों की बारिश के कारण पानी के दवाब के कारण नहर एक जगह टूट गई है। इस कारण नहर से पानी खेत की तरफ बह रहा है।

दरभंगा में कोसी व कमला बलान के जलस्तर में वृद्धि से दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान पूर्वी, किरतपुर, घनश्यामपुर व गौड़ाबौराम प्रखंड क्षेत्र के खेत खलिहान में तेजी से पानी फैल रहा है। कुशेश्वरस्थान पूर्वी अभी खेतों में लगी फसल सुरक्षित है।

जलस्तर में वृद्धि जारी रही तो फसल डूबने की स्थिति हो जाएगी। किरतपुर प्रखंड क्षेत्र के चार पंचायत के एक दर्जन गांव बाढ़ से प्रभावित हैं।

गौड़ाबौराम प्रखंड में रहिटोल जाने वाली सड़क पर कमला नदी का पानी चढ़ गया है। रहिटोल के चतरा गांव के लगभग पांच सौ घरों के लोगों का आवागमन बाधित हो गया है। अब नाव ही सहारा है।

घनश्यामपुर में कमला नदी की जलस्तर में वृद्धि से दोनों तटबंध के बीच बसे बाउर, नवटोलिया, बैजनाथपुर, कनकी मुसहरी, कैथाही, पुनर्वास टोला, लगमा मुसहरी, जमरी डीह टोल आदि गांव की सभी सड़कें पानी में डूब गई हैं।

नेपाल भूभाग के पानी का असर अब रेलवे के परिचालन पर भी दिखने लगा है। भारत के जोगबनी सीमा से सटे नेपाल में हुई भारी बारिश का पानी जोगबनी के टिकुलिया बस्ती में शनिवार की देर संध्या से प्रवेश करने लगा है। जिसका असर रेलवे ट्रैक पर दिख रहा है। पानी रेलवे ट्रैक पर जमा हो गया है।

इस कारण जोगबनी से खुलने वाली सभी ट्रेनों को अगले आदेश तक के लिए रद्द किया गया है। फिलहाल सभी ट्रेनों का परिचालन रविवार सुबह से फारबिसगंज से हो रहा है। विदित हो कि नेपाल से सटे भारतीय क्षेत्र में जोगबनी अंतिम रेलवे स्टेशन है। जहां से कटिहार के लिए सीधी रेल का परिचालन होता है। नेपाल में कोसी और अन्य नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र में हुई भारी वर्षा के कारण उफनाई नदियों का जलस्तर सामान्य होने की ओर बढ़ रहा है। सुपौल जिला स्थित कोसी बाराज पर जलश्राव घटाव की स्थिति में है।

हालांकि, यहां अब भी सुबह 9ः00 बजे तक 6.28 लाख और 10 बजे 6.12 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज दर्ज किया गया। कोसी बराज से करीब 50 मीटर दूर नेपाल स्थित वराह क्षेत्र में सुबह नौ बजे जलश्राव 2.90 लाख क्यूसेक रिकॉर्ड किया गया है।

कोसी बराज से निकली यह अपार जलराशि तेजी से सहरसा होते हुए खगड़िया की ओर बढ़ रही है। इसके चलते कोसी तटबंध के भीतर करीब 300 गांवों में बाढ़ की स्थिति बन गई है।

लोग सुरक्षित स्थान की ओर पलायन कर रहे हैं। कई लोगों ने कोसी तटबंध के ऊपर माल मवेशी के साथ डेरा डाल रखा है। जो लोग तटबंध के भीतर ही किसी ऊंचे स्थल की ओर चले गए थे, उनके लिए खतरा बढ़ गया है।

कोसी नदी इन ऊंचे स्थलों का भी कटाव कर रही है। तटबंध के भीतर कई जगहों पर सुरक्षा बांध के टूट जाने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। घर डूब गए हैं। सैकड़ों एकड़ में लगी फसलें जलमग्न हो चुकी हैं। यहां

नाव के लिए मारामारी मची है। जिन लोगों के पास अपनी नाव है, वे माल मवेशी रखकर सुरक्षित स्थान की ओर निकल पड़े हैं। सहरसा में तटबंध के 74 किलोमीटर पर डुमरा के समीप स्पर कटने से करीब 50 घर पानी में डूब गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

जीविका दीदी की मांगें जायज : एमएलसी

गया। भाकपा माले, ट्रेड यूनियन एक्टू व ऐपवा ने हड़ताली जीविका दीदियों के साथ सभा की। सभा में एमएलसी शशि यादव शामिल हुई। एमएलसी शशि यादव ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीविका दीदी की दस सूत्री मांग जायज है। सभी जीविका बहनों को नियुक्ति एवं परिचय पत्र देने, मानदेय कंट्रीब्यूशन सिस्टम पर अविलंब रोक लगाने, सभी कैडरों का न्यूनतम 25 रुपया व नियमित करने, काम से हटाने की धमकी पर रोक लगाने, सभी को क्षेत्र भ्रमण भत्ता तीन सौ रुपया देने की मांग की गई। एमएलसी शशि यादव ने कहा कि बिहार में जीविका दीदियों के समर्थन में जुझारू महिला संगठन ऐपवा, क्रांतिकारी ट्रेड यूनियन ऐक्टू समेत भाकपा-माले ने भी समर्थन किया है। सभा की अध्यक्षता चितरंजन कुमार एवं संचालन माले नेता रवि कुमार ने किया। सम्मेलन को ऐपवा जिला सचिव रीता वर्णवाल, जीविका की नेत्री अंजुषा कुमारी, जीविका कैडर संघ की रेखा कुमारी, अध्यक्ष सुनिल पासवान, परशुराम कुमार, संतोष कुमार, नरेश कुमार सहित अन्य ने संबोधित किया।

स्टेशन की जमीन पर दीवार बनाने का विरोध

दरभंगा। मनीगाछी स्टेशन चौक से हटिया सड़क की ओर जाने वाली सड़क के किनारे रेलवे द्वारा सड़क से सटाकर चहारदीवारी दिए जाने का लोगों ने शनिवार को जमकर विरोध किया। लोगों का कहना था कि इसी सड़क में हटिया रोड में दुर्गा मंदिर, पोस्ट ऑफिस, बैंक व हटिया है जहां लोगों का आना-जाना लगा रहता है। इस कारण इस सड़क पर पहले से ही जाम की स्थिति बनी रहती है। जहां अभी चहारदीवारी दी जा रही है वहां पूरे बाजार की जलनिकासी के लिए नाला बना हुआ था जो भर गया है। इस कारण जलजमाव की समस्या भी बनी रहती है। इस सम्बन्ध में मनीगाछी रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्य सह भाजपा पश्चिमी मंडल के अध्यक्ष रजनीश झा सहित 31 लोगों के हस्ताक्षरित आवेदन वरीय मंडल अभियंता प्रथम को देकर सड़क से पांच-छह फीट हटाकर चहारदिवारी दिए जाने की मांग की गई है।

करंट की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

पूर्णिया। कसबा के सब्दलपुर पंचायत स्थित ढोलबज्जा गांव में बिजली करंट लगने से एक 58 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। पूर्व सरपंच सलीम ने बताया कि सवेरे लगभग 8 :00 बजे मृतक मो. मुख्तार अपने घर के दरवाजे पर रखे जनरेटर में बिजली का तार जोड़ रहे थे इसी क्रम में झटका लगा और पीछे रखे थ्रेसर पर जा गिरे। उन्हें जल्दी में पूर्णिया अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

जदयू नेता और पूर्व विधायक को 8 बार ईमेल पर मिली धमकी, एसपी से शिकायत

किशनगंज। बिहार के किशनगंज जिले में पूर्व विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष मुजाहिद आलम को ईमेल के जरिए धमकी दी गई है। मामले को लेकर पूर्व विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष मुजाहिद आलम ने शनिवार को एसपी सागर कुमार से मुलाकात कर इसकी जानकारी दी। पूर्व विधायक द्वारा दिए गए दिए गए आवेदन के अनुसार उन्हें ई-मेल के जरिए धमकी मिली है कि तीन से चार दिन में उनके फेसबुक आईडी को डिलीट कर दिया जाएगा। 20 अगस्त 2024 से कुल आठ बार पूर्व विधायक के ई-मेल पर मैसेज आया था। पूर्व विधायक ने इसका पूरा ब्योरा एसपी को सौंप दिया है। पूर्व विधायक मुजाहिद ने मामले में एसपी से जांच करवाकर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पूर्व विधायक ने कहा कि मामले की शिकायत एसपी से की गई है। एसपी सागर कुमार ने मामले को गंभीरता से लिया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने शीघ्र ही कार्रवाई का आश्वाशन पूर्व विधायक को देते हुए कहा कि मामले में कार्रवाई की जाएगी। जिस ईमेल से मैसेज आया है पुलिस उसका पूरा डिटेल खंगाल रही है। इसके लिए साइबर सेल की टीम को लगाया गया है। साइबर सेल पूरे मामले की पड़ताल कर रही है। सभी बिंदुओं पर जांच जारी है।

पुलिस के साथ बदतमीजी करने वाला नशेबाज गिरफ्तार

गया। नशे की हालत में आमजनों और पुलिस के साथ बदतमीजी करने वाले एक ग्रामीण को रौशनगंज थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ में आए इस शराबी की पहचान रौशनगंज थाने के ही इटवां गांव के निलय सिंह के रूप में हुई है। रौशनगंज के थानेदार अंगद पासवान की ओर से दर्ज किए गए मुकदमे में कहा गया है कि यह गिरफ्तारी अम्बाखार मोड़ के पास से तब हुई, जब पुलिस की टीम गश्त पर निकली थी। अम्बाखार झारखंड की सीमा पर स्थित है। जहां अक्सर लोग झारखंड के सीमावर्ती इलाके से शराब पीकर आते हैं। पुलिस ने बताया कि नशे में आमजनों के साथ बदतमीजी करने के कारण उसे पकड़कर जब अल्कोहल जांच की गई तो उसके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। उसने पुलिसकर्मियों के साथ भी अभद्रता से बातचीत की थी। उसकी तमाम हरकतों का पुलिस ने वीडियो फुटेज भी बनाया है। इस मामले में पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को गया के स्पेशल कोर्ट में पेश किया है।

बैंक लॉकर से गायब हो गया 25 तोला सोना, पुलिस कर रही जांच

गया। गया शहर स्थित केनरा बैंक के मेन ब्रांच के लॉकर से 25 तोला सोना गायब होने मामला सामने आया है। शनिवार को कोंच थाना बाली गांव की रहने वाली पीड़िता वंदना कुमारी सिविल लाइन थाना पहुंची। अपनी शिकायत में उन्होंने कहा है कि 2017 में उन्होंने केनरा बैंक में लॉकर की सुविधा ली। वंदना ने बताया कि जरूरत होने पर जब वह लॉकर से सोना लेने गईं तो लॉकर खाली मिला। बैंक के रजिस्टर में दर्ज रिकॉर्ड से छेड़छाड़ की गई है। वंदना के मुताबिक बगैर बैंककर्मी की मिलीभगत के लॉकर से सोना गायब होना संभव नहीं है। पीड़िता ने जब बैंक कर्मियों से पूछा तो उन्होंने जानकारी होने इंकार कर दिया। महिला ने बैंक कर्मियों के मिलीभगत से सोना गायब करने का आरोप लगाया है। पुलिस को आवेदन देते हुए पीड़िता वंदना कुमारी ने बताया है कि लॉकर में 25 तोला (250 ग्राम) सोने के जेवरात और एक डायमंड रिंग रखी हुई थी। वर्ष 2022 में लॉकर चेक की थी। उस समय लॉकर में रखा सोना सही सलामत था। जब 19 सितंबर को बैंक आकर अपने लॉकर खोलने का प्रयास किया तो लॉकर नहीं खुला। दोबारा 21 सितंबर लॉकर खोलने का प्रयास किया गया। बैंक कर्मी के कहने पर घर लौट गई। 25 सितंबर को मेरे सामने बैंक कर्मियों की मौजूदगी में लॉकर को तोड़ा गया। तो उसमें रखे सोने के जेवरात और डायमंड रिंग गायब था।

बच्चे का अपहरण करने वाला आरोपी को गोपालगंज पुलिस ने यूपी से किया गिरफ्तार

गोपालगंज। गोपालगंज के फुलवरिया थाना क्षेत्र के मजिरवा कला गांव से किडनैप हुए बच्चे को पुलिस ने यूपी से बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने किडनैपर को भी गिरफ्तार किया है। शनिवार को बच्चे को उसकी मां के हवाले कर दिया। गोपालगंज पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक यूपी के देवरिया का रहने वाला है। उसने 26 सितंबर को बच्चे को किडनैप किया था और 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपने भाई के साथ किडनैपिंग की प्लानिंग की, ताकि यूपीएससी की तैयारी के लिए पैसे जुटा सके।

27 सितंबर को बच्चे से किडनैपर ने मां का नंबर लिया और फोन कर फिरौती की मांग की। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस की टीम बच्चे की मां के साथ किडनैपर के बताए हुए ठिकाने पर सादे लिबास में पहुंची। किडनैपर के मोबाइल पर मां ने संपर्क किया, लेकिन उसे शक हो गया कि पुलिस उसके साथ है। इसके बाद वह अपने बताए ठिकाने पर नहीं पहुंचा। वह डर गया और बच्चे को छोड़ दिया। इसके बाद बच्चे ने अपने परिजन से संपर्क किया। फिर पुलिस ने उसे बरामद किया। गिरफ्तार आरोपी अमित सिंह (25) को गोपालगंज पुलिस ने यूपी पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि किडनैपर ने बच्चे को अपने घर देवरिया के लाढ थाना क्षेत्र के नेमा में रखा था। बच्चा बोला-

मुंह पर कपड़ा डालकर ले गया बरामद बच्चे अनीश ने बताया कि वह स्कूल से आकर अपने घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान बाइक सवार एक आदमी आया और उसने मेरे ऊपर कुछ डाल दिया। फिर बाइक पर बैठा कर ले गया। इसके बाद क्या हुआ मुझे पता नहीं है। मुझे जब होश आया तो मैं एक घर में था। बच्चे की निशानदेही पर आरोपी गिरफ्तार हथुआ अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। इस टीम कार्रवाई करते हुए 48 घंटे में देवरिया के मथौला चौक से अपहृत बच्चे अनीश कुमार को सकुशल बरामद किया। बच्चे की निशानदेही पर लाढ़ थाना क्षेत्र में छापेमारी कर अमित सिंह को गिरफ्तार किया गया। फरार भाई को खोज रही पुलिस पुलिस ने आरोपी अमित के पास से एक बाइक और एक कार जब्त किया है। वहीं, अमित के भाई की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि यूपीएससी की तैयारी करने के लिए पैसों की जरूरत थी। इसलिए भाई के साथ मिलकर अपहरण की प्लानिंग की थी। उन्होंने कहा कि पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पटना के थानों में डीआईजी राजीव मिश्रा के औचक निरीक्षण से हड़कंप, गर्दनीबाग थानेदार और एसडीओपी को लगाई फटकार

पटना, एजेंसी। डीआइजी सह एसएसपी राजीव मिश्रा शनिवार सुबह राजधानी पटना के शहरी क्षेत्र में मार्निंग पेट्रोलिंग और थानों का निरीक्षण करने पहुंच गए। गर्दनीबाग थाना से शुरूआत करते हुए बेउर, जक्कनपुर, गांधी मैदान, कोतवाली और गांधी मैदान ट्रैफिक थाना पहुंचे।

गर्दनीबाग थाने में उन्हें ओडी अफसर को छोड़कर अन्य पुलिस पदाधिकारी नजर नहीं आए। उन्होंने गर्दनीबाग थानेदार को मौके पर बुलाया और बाकी के पदाधिकारी में कौन कहां है? इसके बारे में पूछा। डीआईजी ने फटकार लगाते हुए गर्दनीबाग थानेदार से स्पष्टीकरण मांगा।

जब वह अटल पथ पर पहुंचे तो वहां चार की जगह महज एक पुलिसकर्मी मिले। वाहन जांच में लापरवाही और थानों में ड्यूटी के प्रति सुधार लाने का निर्देश दिया गया है।

एसएसपी ने बताया कि सुबह शहरी क्षेत्र में थानों के साथ कुछ स्थानों पर पेट्रोलिंग का निरीक्षण किया गया। कोतवाली, जक्कनपुर सहित अन्य थानों में पुलिस बल के साथ पदाधिकारी भी मिले। पार्क और संवेदनशील इलाकों में मार्निंग पेट्रोलिंग भी

हो रहा था। उन्होंने बताया कि गर्दनीबाग थाने में सिर्फ एक पुलिस पदाधिकारी जो ओडी अफसर के रूप में थे, वहां मौजूद मिले। जबकि कम से कम तीन चार और पदाधिकारी को मौजूद होना चाहिए था।

उन्होंने बताया कि अटल पथ पर भी वाहन जांच का निर्देश दिया गया है। वाहन जांच के दौरान पुलिस को पूरी तैयारी के साथ होना चाहिए। हो सकता है कि वाहन जांच के दौरान किसी अपराधी से आमना-सामना हो जाए। अटल पथ पर वाहन जांच के दौरान सिर्फ एक पुलिसकर्मी मिले, जबकि उनकी संख्या चार होनी चाहिए थी।

उन्होंने बताया कि वाहन जांच के दौरान इस तरह की लापरवाही कैसे हुई? स्पष्टीकरण मांगा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई भी होगी। गश्ती और वाहन जांच को लेकर सभी एसडीपीओ को दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

अपराध कि योजना बनाते दो बदमाश गिरफ्तार

मोतिहारी, एजेंसी। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के कदमवा नहर चौक के पास से छापेमारी कर सुधा डेयरी की गाड़ी से लूट की योजना बनाते दो बदमाशों को लोडेड पिस्टल केसाथ गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अनुज कुमार पांडेय ने बताया कि कदमवा गांव से गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश एकत्र होकर सुधा डेयरी की गाड़ी से लूट की योजना को अंजाम देने वाले हैं। सूचना के आलोक में छापेमारी कर दो बदमाशों को पकड़ा गया है। जिसकी पहचान थाना क्षेत्र कदमवा यादव टोला निवासी सचिन कुमार और रंटू कुमार के रूप में हुई है। जिसके पास से इटली निर्मित लोडेड पिस्टल बरामद हुआ है। साथ ही मौके से अन्य कुछ युवक पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहे। जिसकी पहचान की जा रही है। छापेमारी टीम में थानाध्यक्ष के अलावा अपर थानाध्यक्ष विकास कुमार, दरोगा मधुकर कुमार, दीपक कुमार व पुलिस बल शामिल रहे।

एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर के आईसीयू में शार्ट सर्किट से लगी आग, 1 मरीज की मौत

मुजफ्फरपुर। बिहार के बड़े सरकारी अस्पतालों में शुमार श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच) में बीती रात गंभीर हादसा हुआ जिसमें एक मरीज की मौत हो गई। एसकेएमसीएच की कोविड आईसीयू में शनिवार देर रात करीब साढ़े दस बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। तेज आवाज के साथ धुआं फैलने पर आईसीयू में भर्ती मरीजों को उनके परिजनों ने किसी तरह से बाहर निकला। इस कारण करीब एक घंटे तक वार्ड में अफरातफरी मची रही। अस्पताल प्रशासन की ओर से मरीज के मौत की पुष्टि की गयी है।घटना के वक्त वार्ड में किडनी पीड़िता सुनीता देवी सहित 20 मरीज भर्ती थे। इनमें से दो मरीजों को वेंटिलेटर पर रखा गया था। आग लगने के बाद वार्ड में धुआं भर गया जिससे मरीजों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। आनन फानन में परिजन अपने अपने मरीजों को गोद में लेकर वहां से भागे। परिजनों ने बताया कि किसी ने बिजली बोर्ड में मोबाइल चार्ज करने को लगाया था। वहीं पर अचानक तेज आवाज के साथ धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते पूरे एआईयू में धुआं फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल की सुरक्षा में लगे कर्मी और गार्ड चौकस हो गए। मरीजों की मदद के लिए सभी जुट गए। सक्रियता के सात फायर सेफ्टी सिलेंडर की मदद से आग बुझाने में जुट गए। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। अस्पताल की ओर से बताया गया कि आईसीयू में भर्ती मरीजों को डेंगू वार्ड और एचडीयू में शिफ्ट कर दिया गया। इसी दौरान वेंटिलेटर पर रखे गए एक गंभीर मरीज ने ऑक्सीजन हटाने के बाद दम तोड़ दिया। इस घटना को लेकर एसकेएमसीएच की अधीक्षक प्रो. डॉ. कुमारी विभा ने बताया कि आईसीयू में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी। उस पर तत्काल काबू पा लिया गया। उन्होंने घटना के बाद एक गंभीर मरीज की मौत की पुष्टि की।

आजमनगर में 121 वर्षों से हो रही मां की भव्य आराधना

दरभंगा, एजेंसी। सार्वजनिक मां धाम, दुर्गा पूजा समिति शहर के आजमनगर में स्थित है। यहां वर्ष 1903 से मां की पूजा होती चली आ रही है। यहां पहले मां की मिट्टी की प्रतिमा बनाकर पूजा होती थी। वर्ष 1916 में पत्थर की मां की प्रतिमा स्थापित की गई। यह प्रतिमा बनारस से विशेष पत्थरों से निर्माण कर मंगवाई गई। इसकी लागत करीब चार लाख रुपए थी। वर्ष 2003 में यहां मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया गया। पूजा समिति के मुख्य पुजारी एवं कोषाध्यक्ष डॉ. लव सहनी ने बताया कि हमारे यहां मुख्य रूप से मां की पूजा विधि-विधान से की जाती है। दशमी के दिन आने वाले सभी दर्शनार्थियों के बीच दुर्गा सप्तशती, हनुमान चालीसा, गीता, केवट कांड एवं केवट मार्ग की पुस्तकें वितरित की जाती हैं। यहां मुख्य पुजारी डॉ. लव सहनी एवं अजय मिश्र हैं। माता का मुख्य प्रसाद 56 भोग है। यहां बिजली, पंडाल एवं फूल का डेकोरेशन स्थानीय कलाकारों द्वारा करवाया जाता है। इस पूजा समिति की ओर से कलश स्थापन के दिन भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाती है।

घर में घुसकर पुजारी को मारी गोली, गंभीर, स्थिति गंभीर

बांका,एजेंसी। बांका के रजौन प्रखंड अंतर्गत नयाडीह गांव शुक्रवार की देर रात घर में घुसकर बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों ने एक व्यक्ति के कनपट्टी में गोली मार कर जख्मी दिया। जिसे गंभीर अवस्था में पटना रेफर कर दिया गया है। घटना में जख्मी व्यक्ति की पहचान नयाडीह गांव निवासी पुजारी घनश्याम यादव के रूप में हुई है। जो पूजा पाठ के साथ खेती-बाड़ी भी करता था।

जख्मी के बेटे कृतम यादव ने बताया कि हम सभी पूरे परिवार खाना खाकर शुक्रवार की देर रात घर में सोए हुए थे। मेरे पिताजी घनश्याम यादव घर के दरवाजा के

पास सोये हुए थे। तभी शनिवार देर रात को अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर मेरा भाई पवन यादव हल्ला करते हुए दौड़कर बाहर निकला।

इसके बाद घर के दरवाजे के पास देखा कि उसके पिता घनश्याम यादव को गोली मारकर बाइक सवार दो अज्ञात अपराधी मौके से भाग रहा था। गोली लगने के कारण घनश्याम यादव खून से लथपथ होकर घर में गिरे हुए थे। हल्ला सुनकर घर वाले और आसपास के लोग मौके पर दौड़ कर पहुंचे।

इसके बाद उन्हें रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में देर रात भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर द्वारा इलाज करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां भी डॉक्टर द्वारा इलाज करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना रेफर कर दिया है।

कनपट्टी में गोली लगने के कारण घनश्याम यादव की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। वहीं गोलीबारी की घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। भागने के क्रम में गोली मारने वाले अपराधियों की पहचान घर वालों द्वारा नहीं की जा सकी है। जिसके कारण से अभी अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया है। अपर थानाध्यक्ष रवि कुमार पुलिस बलके साथ गोलीबारी घटना स्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की। थाना क्षेत्र में इन दिनों अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। जिसके कारण चोरी और गोलीबारी की घटना बढ़ गई है। थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार नेबताया कि आवेदन के अनुसार केस दर्ज कर पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809
9801344665

मोतिहारी रनवे - 2024' का हुआ भव्य आयोजन

- देश के युवा कलाकारों लोगों को किया मंत्रमुग्ध
- जाति- संप्रदाय के लिंग-भेद मिटा विकसित भारत व विकसित बिहार का सपना होगा साकारः विकास वैभव

बीएनएम। मोतिहारी

शनिवार की शाम शहर के एक आवासीय होटल के कान्फ्रेंस हॉल में आर. एण्ड एस. फैशन एण्ड कल्चरल इवेंट प्रा.लि. के बैनर तले 'मोतिहारी रनवे- 2024' का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें देश के लब्धप्रतिष्ठ कलाकारों एवं फैशन डिजाइनरों की टीम की प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन वरिष्ठ आई.पी.एस. अधिकारी आई.जी विकास वैभव, नगर निगम की मेयर प्रीति कुमारी, उपमेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद, वरीय संस्कृतिकर्मी संजय कुमार पाण्डेय, अनिल कुमार वर्मा, डॉ. नम्रता तिवारी, डॉ. विनय कुमार सिंह, ऋतिक विराज पाण्डेय, डॉ. जय आर्या एवं सत्यम वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में आई.जी. विकास वैभव ने आयोजन की भूरि- भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बिहार को आगे बढ़ाने के लिए हर सेक्टर के युवा अच्छे 'विजन' के साथ आगे बढेंगे, तभी बिहार बदलेगा। श्री वैभव ने कहा बिहार को जाति- संप्रदाय एवं लिंग - भेद से ऊपर उठकर हमें बदलना होगा, तभी वर्ष 2047 में विकसित भारत के साथ विकसित बिहार का सपना साकार हो सकेगा। कार्यक्रम की शुरुआत देश की सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना कुमारी अनीशा के शास्त्रीय नृत्य से हुई। 8 वर्षीया नन्ही नृत्यांगना सुश्री नित्या ने भावपूर्ण नृत्य से लोगों अचंभित कर दिया, वहीं नन्ही बालिका सरन्या सौम्या (तोसी) ने अपने बेहतर प्रदर्शन से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए फैशन डिजाइनरों की टीम ने हिस्सा लिया, जिसमें नामचीन डिजाइनरों द्वारा तैयार आकर्षक परिधानों में युवक-युवतियों ने अपने प्रदर्शन से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।खासकर दिल्ली की प्रसिद्ध डिजाइनर सुश्री कोमल, लखनऊ के दिव्यांशु मिश्रा, टाटानगर के विशाल एवं रांची से सुश्री खुशी की टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर कार्यक्रम को भव्य बना दिया। कार्यक्रम का बेहतर संचालन पटना के समीर मल्लिक ने किया। वहीं कार्यक्रम की सफलता में आयोजन समिति प्रमुख रितेश गुप्ता, शिवम गुप्ता एवं चैतन्य कुमार की अत्यंत सराहनीय भूमिका रही।

दुर्गा पूजा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

हरसिद्धि थाना परिसर में रविवार को दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान ने की। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री पासवान ने कहा कि दुर्गा पूजा धार्मिक निष्ठा का पर्व है। इस अवसर पर सभी लोग शांति पूर्वक पूजा का आयोजन करें तथा किसी की भावना को ठेस पहुंचाने की कोशिश नहीं करें। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी किसी तरह की अप्रिय घटना की संभावना हो तो इसकी सूचना अविलंब थानाध्यक्ष व प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि सभी पूजा पंडाल में ऐसी व्यवस्था रखें ताकि एम्बुलेंस फायर ब्रिगेड को जाने आने में कोई परेशानी नहीं हो और जनता को सूचना दें कि कोई भी बच्चा जो मेला में जाता है। उसके पॉकेट में गार्जियन का मोबाइल नंबर जरूर होना चाहिए। वहीं थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने कहा कि सभी पूजा अध्यक्ष लाइसेंस ले ले। पूजा पंडाल में बिजली का कनेक्शन सही ढंग से रखें और उसका एनओसी ले लें सभी लोग पूजा पंडाल पर आग बुझाने वाला यंत्र निश्चित रूप से रखें। उन्होंने बताया कि पूरे प्रखंड क्षेत्र में 14 स्थान पर प्रतिमा स्थापित की जाती है और अन्य देवी स्थान पर भी पूजा का आयोजन होता है। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान, थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर निर्भय कुमार राय, एसआई कुमारी विभा भारती, एसआई संतोषी कुमारी, मुखिया दशरथ सिंह, मुखिया वीरेंद्र कुमार, मुखिया पति वेद प्रकाश, सरपंच राजीव कुमार, सरपंच पति अच्छे लाल सिंह कुशवाहा, नवल किशोर प्रसाद, ललन सहनी, राजकुमार राम, मार्कण्डेय कुशवाहा, छोटेलाल कुशवाहा, पंचायत समिति सदस्य ब्रजकिशोर यादव, मनोज दास, श्री सहनी , नंदलाल साहनी, हरेश्वर राम आदि लोग उपस्थित थे।

बाढ के पानी के तेज धार में बह जाने से एक पांच वर्षीय बच्चे की मौत

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में रक्सौल प्रखंड के भेलाही पंचायत के पश्चिम टोला के समीप धोरे जाने वाली सड़क के पास बाढ़ के पानी में बह जाने से एक पांच वर्षीय बच्चें की मौत हो गयी है। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम टोला गांव निवासी कुंदन पंड़ित की पत्नी अपने पांच साल के बच्चे के साथ सड़क पर चल रही थी। इस दौरान उक्त महिला के साथ उसके पांच साल का बच्चा भी था। जिसका पैर फिसलने के कारण बच्चा पानी के तेज बहाव में बहने लगा।मां कुछ समझ पाती तब तक बच्चा का कोई अता-पता नहीं चल सका। जिसके बाद मां के शोर सुन आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच मामले की जानकारी ली।जिसके बाद स्थानीय तैराकों के द्वारा बच्चा की खोजबीन की जा रही है। पंचायत के पूर्व मुखिया अजय पटेल ने बताया कि घटना की सूचना के बाद हमलोग घटनास्थल पर पहुंचे है। बच्चे पानी में बह गया है। जिससे उसकी मौत हो गयी है। बच्चा की खोजबीन करायी जा रही है। ग्रामीणो ने घटना की सूचना अनुमंडल प्रशासन को भी दी है। भेलाही थाना प्रभारी नितिन कुमार ने बताया कि घटना के बाद पुलिस टीम को भेजी गयी है। स्थानीय गोताखारों के द्वारा बच्चा की खोजबीन की जा रही है।वही इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी शिवाक्षी दीक्षित ने बताया कि घटना के सूचना के बाद एनडीआरएफ की टीम को जिला से बुलाया जा रहा है। घटना के बाद परिजनो का रो-रोकर बुरा हाल है।

राष्ट्रीय जनता दल के किसान प्रकोष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ संपन्न

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। राष्ट्रीय जनता दल किसान प्रकोष्ठ की बैठक नवमनोनित जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार उर्फ मंटू यादव की अध्यक्षता में रविवार को नगर के एक होटल के सभागार में की गई। मंच संचालन राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष बच्चा प्रसाद यादव ने किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नेता नरकटिया डॉ. शमीम अहमद पूर्व मंत्री सह विधायक एवं बिनोद कुमार श्रीवास्तव राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोतिहारी लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी उपस्थित रहे। जिसमें मुख्य संगठन का विस्तार जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक किया गया और सभी मनोनित प्रखंड अध्यक्षों को प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सह विधायक डॉक्टर शमीम अहमद ने जिला में किसानों की समस्या पर प्रकाश डाला और सरकार को गलत नीतियों को उजागर किया। वहीं बिनोद श्रीवास्तव ने किसान संगठन को धारदार बनाने पर अध्यक्ष प्रमोद कुमार यादव को बधाई देते हुए मोतिहारी चीनी मिल को पुनः चालू करने के लिए आंदोलन पर बल दिया। उक्त मौके पर राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव, पवन कुमार यादव, रवि शंकर वर्मा, नशीम अख्तर, जिला महिला सेल अध्यक्ष पूनम देवी, युवा अध्यक्ष रामप्रवेश यादव, रविंद्र कुशवाहा, कृष्णा यादव, मुन्ना यादव, अमरेंद्र यादव, नरेंद्र कुशवाहा, विशंभर यादव, जगबहादुर यादव, मनीष यादव, रमेश यादव, मुखिया रिंकू यादव, गौतम यादव, सीता राम यादव, सुभाष यादव, प्रमोद कुमार यादव, सरोज यादव सहित अन्य राजद नेताओं ने संबोधित किया।

सरिसवा नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी, नेपाल सीमा से सटे कई गांव हुए जलमग्न

बीएनएम। मोतिहारी

नेपाल के पहाड़ी व तराई क्षेत्र में हुई बारिश के बाद रक्सौल प्रखंड में बहने वाली नेपाल की गाद, तिलावे व सरिसवा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।इस क्षेत्र की सभी नदियां उफन रही है। नदी का पानी निचले इलाकों के कई गांवो में तेजी से फैल रही है। दर्जनो गांवों में बाढ़ जैसी हालात उत्पन्न हो गयी है। वही बाढ़ का पानी सरेह में फैल जाने के कारण धान की फसलें भी पूरी तरह डूब गयी है। जिससे किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रखंड के भेलाही स्टेशन रोड पर करीब तीन फुट बाढ़ का पानी बह रहा है। जिससे आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वही अनुमंडल परिसर में भी जलजमाव हो गयी है। जिससे दूर-दराज से आने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। सरिसवा नदी में लगातार वृद्धि होने से रक्सौल शहर के कई रिहायशी इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। जिससे शहर के वार्ड नम्बर चार स्थित सुंदरपुर में तीन फीट पानी बह रहा है। कई लोगों के घरों में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाने से लोग परेशान है। शहर के अहिरवा टोला, गांधीनगर, नागा रोड स्थित बाबा मठिया, छठिया घाट, इस्लामपुर सहित शहर के अन्य वार्डों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है।हालांकि रविवार को सीमाई क्षेत्रों में बारिश नहीं होने से लोगों ने राहत की सांस महसूस की है। वही अधिकारियों के द्वारा लगातार इस पर नजर रखी जा रही है।सरिसवा नदी का पानी पड़ोसी देश नेपाल के वीरगंज शहर में भी प्रवेश कर गया है।

मखुआ नदी में डूबकर युवक की मौत

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घिउवाढार पंचायत के गोबिंदापुर वार्ड नम्बर 12 में रविवार को शाम करीब चार बजे मखुआ में डूबने से एक 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक नयन सिह का पुत्र महन्थ सिह बताया गया है। पुष्टि करते हुए स्थानीय मुखिया बीरेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक शौच करने के लिए मखुआ नदी किनारे गया था, जहाँ उसका पैर फिसल गया। जिससे वह गहरे पानी मे चले जाने से मौके पर ही मौत हो गयी। कुछ देर बाद उसके पिता नयन सिह उसे खोजने गए तो देखे की वह पोखर के पानी मे डूबा हुआ था। उसने अपने घर वालो को जाकर बुलाये औऱ शव को बाहर निकाले और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दिया। मृतक की पत्नी मंजू देवी का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। मृतक के तीन बेटी और एक बेटा है। खबर लिखे जाने तक पुलिस घटनास्थल पर पहुचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजने की तैयारी में लगी है। मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि मनोज कुमार, विकास तिवारी, रमेश कुमार, जौवाद आलम, परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त किया। वही मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से आपदा की राशि की मांग की है।

मूसलाधार बारिश के चलते कई किसानों का घर धराशायी

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के बनकटवा प्रखंड में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते कई किसानों का घर गिरने का समाचार प्राप्त हुआ है।कृषक सुखल राय ने बताया कि बेटा,पतोहू व उसके बच्चें ज्योंहीं सुबह घर से सोकर निकला त्योंहीं घर काफी आवाज करते हुए गिर गया।कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह महज संयोग हीं था कि प्रातः उठने के बाद में घर गिरा अगर कुछ देर पहले गिरा होता तो जान-माल की काफी क्षति होती। वहीं शिक्षक संजीव कुमार का निर्माणाधीन घर तथा वीरेंद्र राय का पशु शेड गिर गया।इस घटना में किसी के जान-माल की क्षति होने की सूचना नहीं है। उक्त घटनाक्रम की सूचना प्रखंड के उप-सरपंच जितेन्द्र कुमार ने दी है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

वाल्मीकिनगर में गंड़क नदी के जलस्तर में गिरावट बगहा शहर के कई मुहल्ला बाढ़ से हुआ प्रभावित

बीएनएम। बगहा

भारत-नेपाल सीमा पर स्थित ऐतिहासिक गंडक बराज के जलस्तर में तेजी से गिरावट जारी है। बीते शनिवार की देर शाम को गंडक बराज का जलस्तर 5 लाख 62 हजार 500 क्यूसेक पानी लगभग जा पहुंचा था।आशंका जताया जा रहा था, कि जल स्तर में अभी और बढ़ोतरी होगी, किंतु नेपाल के जल अधिग्रहण व पहाड़ी वाले क्षेत्रों में बारिश रुकने के कारण रविवार की अहले सुबह से ही गंड़क बराज के जल स्तर में गिरावट होनी शुरू हो गई। नेपाल के तराई और पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश के रुकने के कारण और गंडक बराज त्रिवेणी में मिलने वाली कई छोटी बड़ी पहाड़ी नदियों में वर्षा का पानी नहीं आने से जलस्तर में तेजी से गिरावट दर्ज हुई है। जिससे गंडक बराज का जलस्तर निरंतर कम हो रहा है।रविवार से गंडक नदी के जलस्तर में गिरावट दर्ज की जा रही है। सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता नवल किशोर भारती ने बताया कि हम लगातार व्हाट्सएप वायरलेस और मोबाइल के जरिए नेपाल के अधिकारियों के संपर्क में हैं।गंडक नदी का जलस्तर रविवार की अहले सुबह से घटना शुरू हो गया है। बावजूद इसके गंडक बराज के सभी अभियंता और कर्मी पूरी तरह अलर्ट मोड़ पर हैं। गंडक बराज के सभी फाटक पूर्ण रूप से उठा दिए गए हैं। प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है ।गंडक बराज के जलस्तर में तेजी से गिरावट के साथ ही गंडक नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में कटाव की संभावना काफी बढ़ गई है। जिससे तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों में दहशत का महौल है। बगहा शहर के कई मुहल्लों मे गंडक नदी का बाढ़ आ जाने से शहरी जीवन प्रभावित हो गया। गंडक नदी के बाढ़ से रतवल चखनी तटबंध(चम्पारण तटबंध) चखनी के पास ध्वस्त हो गया है, जिससे चखनी गांव, मलपुरवा और रहमान नगर मुहल्ला के कई घर पानी से डूबे नजर आ रहें है। तीन से चार फीट तक पानी घुसा हुआ है। मलपुरवा के राष्ट्रीय पथ727 पर दो फीट तक पानी बह रहा है। बगहा शहर के आनंदनगर, दीनदयाल नगर आनंद नगर, कैलाशनगर मुहल्ला में गंडक नदी के बाढ़ का कहर दिखाई पड रहा है, गंडक दियारा पार के गांवों में भी पानी घुसने का समाचार है। बगहा अनुमंडल पदाधिकारी गौरव कुमार ने बगहा नगर के विभिन्न वार्डो में आये बाढ़ के पानी का निरीक्षण किया है। कुमार गौरव ने बगहा अनुमण्डल के सातों प्रखंडो के प्रखंड-सह-अंचल के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के गांवों में घुसे बाढ़ के पानी का निरीक्षण करने एवं राजस्व कर्मचारी एवं पंचायत सचिव अपने राजस्व/पंचायत क्षेत्र में बने रहने का निर्देश दिया है। एनडीआरएफ की टीम को भी एक्टिव कर दिया गया है। एनडीआरएफ की एक टीम मधुबनी प्रखण्ड के चिउरही पंचायत में भेजा गया है, जहां फंसे 40 परिवार को निकाला जा रहा है। एक टीम को प्रखंड बगहा -2 के भेड़िहारी में भेजा गया है तथा एक एनडीआरएफ की टीम को बगहा नगर के गोड़िया पट्टी में भेजा जा रहा है।

नेपाल में फतुहा पुल के समीप लालबकेया नदी का बांध टूटने से दर्जनों गांव बाढ की चपेट में

सैकड़ो एकड़ में लगी फसल बर्बाद

बीएनएम। मोतिहारी

नेपाल में हुए भारी वर्षा के कारण भारत नेपाल सीमावर्ती इलाकों में रविवार के अहले सुबह बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया। शनिवार के दोपहर लालबकेया नदी का बांध नेपाल के फतुहा पुल के समीप टूटने के कारण बाढ इन क्षेत्रों में तबाही मचाई शुरू कर दी है। बाढ़ के पानी के कारण किसान का खड़ी फसल काफी बर्बाद हुआ है। कई घरों में पानी प्रवेश कर गया है। लालबकेया नदी का पानी कुंडवा चैनपुर क्षेत्र के हीरापुर, महंगुआ, वीरता टोला, भवानीपुर बलुआ, गुआबारी, गुरहनवा, दोस्तिया, महुआवा, तेल्हारा, जटवलियां सहित दर्जनों गांव में घुसने के बाद भारी तबाही मचा रही है। बाढ़ के कारण गुरहनवा - बलुआ गुआबारी पथ, बैरगनिया-कुंडवा चैनपुर पथ, ढांगरटोली-तेल्हारा पथ सहित छोटी मोटी कई सड़को पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो चुका है। गांव के लोग ऊंचे स्थान पर शरण लेने को विवश है।हालांकि स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ सिकरहना एसडीओ नेशा ग्रेवाल ने हालात के निरीक्षण के बाद बाढ पीड़ितो को भोजन की व्यवस्था शुरू करने का कवायद शुरू कर दी है। उन्होंने कहा प्रशाशन बाढ पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद करने को तत्पर है।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ के पानी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत, खेत में जाने के दौरान हुआ हादसा

बीएनएम। सुगौली। थाना क्षेत्र के माली पंचायत के एक व्यक्ति की मौत रविवार को पानी में डूबने की वजह से हो गयी है। मृतक बेल टोला निवासी अनुज सहनी बताया जाता है। घटना की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु मोतीहारी भेज दिया है। पंचायत के सरपंच सुभाष सहनी ने बताया कि अनुज सहनी अपने खेत पर जा रहे थे।इसी दौरान यह घटना हो गयी। गौरतलब है कि दो दिनों से हो रही मुसलाधार बारिश से प्रखंड क्षेत्र से होकर बहने वाली सिकरहना नदी उफान पर है। नदी का पानी प्रखंड उत्तरी क्षेत्रों में फैलने लगा है। मृतक के परिवार में कोहराम मचा है।

लगातार मूसलाधार वर्षा से फसलों की भारी क्षति, किसानों के चेहरे पर छाई मायूसी

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के आसपास के प्रखंडों में दो दिनों तक लगातार मूसलाधार वर्षा से किसानों के चेहरे पर मायूसी झलक रही है।जिस किसान के खेतों में अगहनी धान की फसल है उनके लिए तो यह पानी फायदेमंद है और उस किसान के तो बल्ले-बल्ले हैं,तो वहीं भदई धान लगाये किसानों के लिए यह पानी काफी नुकसानदायक है जिससे किसान काफी परेशान दिख रहे हैं।हथिया नक्षत्र में लगातार दो दिनों की मूसलाधार बारिश से भदई धान के ऊपर से पानी बह रहा है वहीं जो धान खेतों में खड़े हैं उसमें अंकुरण होने लगा है। कुछ किसानों ने बताया कि भदई धान में अंकुरण होने से इसका वजन काफी कम हो जायेगा जिससे अब यह घाटे का सौदा हो गया है। खेतों में चारों तरफ पानी हीं पानी दिखाई दे रहा है।कई दिनों तक यह पानी सूखने में हीं लग जायेगा जिसके चलते किसान भदई धान की कटनी करने में काफी परेशानियां झेलने को विवश हैं। किसानों का कहना है कि हथिया नक्षत्र में इतना मूसलाधार बारिश करीब पचास वर्षों के बाद हुआ है। बताते हैं कि इसका नफा -नुकसान रबी फसल में होगा चूंकि हथिया नक्षत्र के पानी के उपरांत रबी फसल की पैदावार अच्छी होती है।

जागापकड़ पैक्स में सवा छतीस लाख रुपए का घोटाला, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। हरसिद्धि। प्रखंड के जागापकड़ पैक्स के अध्यक्ष बिपीन गिरि एवम प्रबंधक पिंटू कुमार गिरि पर सवा छत्तीस लाख रुपये का घोटाला करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में जिला पदाधिकारी एवम जिला सहकारिता पदाधिकारी के आदेश के आलोक में प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी राजकुमार नायक ने हरसिद्धि थाने में गबन करने का प्राथमिकी दर्ज कराया है। दर्ज प्राथमिकी में उल्लेख किया गया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में सहकारी बैंक द्वारा इनके खाते में उपलब्ध कराई गई कैश क्रेडिट ऋण से किसानों का 8967 क्विन्टल धान का क्रय किया गया। राइस मिल से अग्रिम सीएमआर चावल प्राप्त होने के उपरांत धान की मात्रा राइस मिल को उपलब्ध कराना था जिसमे 6097.6 क्विन्टल चावल राज्य खाद्य निगम को उपलब्ध कराना था। इसके लिए विभाग से निर्धारित अवधि 30 सितम्बर 2023 निर्धारित था। इनके द्वारा 4502 क्विन्टल चावल दिया गया और शेष1494 क्विन्टल चावल यानी 2195 क्विन्टॉल धान का घोटाला कर लिया गया, जिसकी कीमत लगभग छतीस लाख सताईस हजार रुपये है। सहकारिता पदाधिकारी राजकुमार नायक ने बताया कि जागापाकड़ पैक्स में इतनी बड़ी राशि का गबन करना घोर अपराध है। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नटवर साहित्य परिषद द्वारा मासिक कवि गोष्ठी सह मुशायरा का आयोजन

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

शहर की प्रतिष्ठित संस्था श्री नवयुवक समिति के सभागार में रविवार को नटवर साहित्य परिषद द्वारा मासिक कवि गोष्ठी सह मुशायरा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि सत्येन्द्र कुमार सत्येन ने की, जबकि मंच संचालन डॉ. विजय शंकर मिश्र ने किया। कार्यक्रम के समापन पर नटवर साहित्य परिषद के संयोजक नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कवि गोष्ठी की शुरुआत आचार्य श्री जानकी वल्लभ शास्त्री के प्रसिद्ध गीत "जिंदगी की कहानी रही अनकही, दिन गुजरते रहे सांसे चलती रही..." से हुई, जिसे डॉ. विजय शंकर मिश्र ने प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने अपना रचना "समय पत्र पर अमर गीत मैं रचने वाला गीतकार हूं..." सुनाया। शायर डॉ. नर्मदेश्वर मुजफ्फरपुरी ने अपनी ग़ज़ल "हालात हमारे भी बदल क्यूं नहीं जाते, ये ख्वाब हकीकत में उतर क्यूं नहीं जाते..." प्रस्तुत कर श्रोताओं का मन मोह लिया। अन्य कवियों ने भी अपनी बेहतरीन रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया। आचार्य चंद्र किशोर पाराशर ने "समय की सीढ़ियों पर चढ़ता रहूंगा, इक नई सदी मैं गढ़ता रहूंगा..." सुनाया, जबकि सुमन कुमार मिश्र ने अपनी रचना "अभाव से दूरियां बढ़ती गई, हम सुख से वंचित होते गए..." से लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। सत्येन्द्र कुमार सत्येन ने अपनी कविता "धीरे धीरे अइली बदरिया, उतरी असमनवा नू हो..." प्रस्तुत की। इसके अलावा, डॉ. जगदीश शर्मा, अरुण कुमार तुलसी, उमेश राज, अंजनी कुमार पाठक, रामबृक्ष राम चकपुरी, ओमप्रकाश गुप्ता और अन्य कई कवियों ने अपनी रचनाओं से कार्यक्रम को समृद्ध किया। मुन्नी चौधरी प्रभा, अभय कुमार शब्द, नरेन्द्र मिश्र, यशपाल कुमार, नन्द किशोर पोद्दार, सुरेन्द्र कुमार और रणवीर अभिमन्यू की रचनाएं भी सराही गईं। कवि गोष्ठी के माध्यम से श्रोताओं को साहित्यिक आनंद मिला और रचनाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ।

लूटकांड के आरोपी सहित दो गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया। थाना पुलिस ने शनिवार की देर संध्या लूटकांड के आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया है केसरिया कदम चौक से अजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। अजय इसी वर्ष मार्च महीने में हुए बाइक लूटकांड का आरोपी है। वहीं शराब तस्करी के आरोप में केसरिया कचहरिया टोला के अनेश कुमार को पकड़ा गया। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दो वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के उज्जैन लोहियार पंचायत के सिंगहा गांव से स्थानीय पुलिस ने छापेमारी कर कांड सख्या 53/24 के आरोपी भगेलू यादव व यादवपुर पंचायत से कांड सख्या 1308/22 के आरोपी रामेश्वर गिरी को उसके घर से गिरफ़्तार किया गया। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि गिरफ्तार दोनो आरोपी को पुछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। छापेमारी टीम में पीएसआई मनीष राज, रमेश कुमार के साथ पुलिस बल शामिल थे।

बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति में एमएलसी प्रोफेसर संजय कुमार सिंह के सदस्य मनोनीत होने पर बधाई का तांता

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति में एमएलसी प्रोफेसर संजय कुमार सिंह के सदस्य मनोनीत होने पर बीआर अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय अतिथि प्राध्यापक संघ ने हर्ष व्यक्त किया और उन्हें मिलकर बधाई दी। इस मौके पर अतिथि प्राध्यापकों के प्रतिनिधि मंडल ने सेवा नियमितीकरण से संबंधित एक प्रतिवेदन भी सौंपा। प्रो. संजय कुमार सिंह ने अतिथि प्राध्यापकों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा समिति के सभी सदस्य शिक्षकों की समस्याओं को लेकर चिंतन करेंगे और उनके समाधान की दिशा में पहल करेंगे। उन्होंने बताया कि 12 सितंबर को उन्होंने बिहार विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में कार्यरत अतिथि प्राध्यापकों की सेवा समायोजन के लिए शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि इन प्राध्यापकों की नियुक्ति यूजीसी के मापदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय की चयन समिति द्वारा की गई है और ये प्राध्यापक 5-7 वर्षों से ईमानदारी से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसलिए इन्हें यूजीसी के मापदंडों के अनुसार वेतन, भत्ता और अन्य सुविधाएं मिलनी चाहिए। प्रो. संजय कुमार सिंह ने यह भी बताया कि अन्य राज्यों जैसे झारखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा, और पश्चिम बंगाल में अतिथि प्राध्यापकों की सेवा और भविष्य को सुरक्षित रखने की नीतियां बनाई गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 1976, 1980, और 1986 में बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अस्थाई व्याख्याताओं की सेवाओं को नियमित किया गया था। अतिथि प्राध्यापकों की सेवा शर्तों में आवश्यक संशोधन कर उनकी सेवा को 65 वर्ष तक नियमित किए जाने की मांग की गई, ताकि वे पूरे सम्मान और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। प्रतिनिधि मंडल में डॉ. ललित किशोर, डॉ. राघव कुमार, डॉ. नितेश कुमार, डॉ. सर्वेश्वर कुमार सिंह, डॉ. राकेश रंजन, डॉ. रामकृष्ण कुमार, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. सीमा कुमारी, डॉ. पूनम कुमारी, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. रंजीत कुमार शामिल थे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
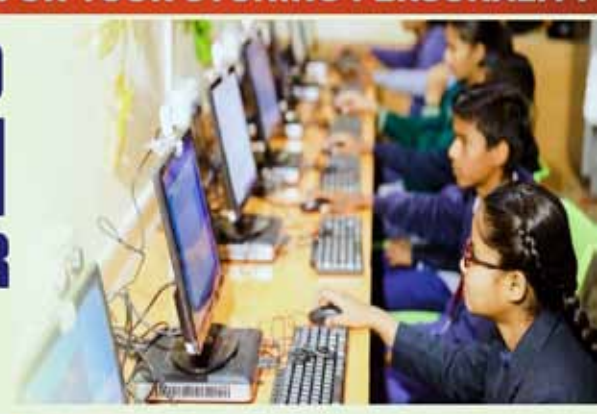
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

मस्क को कानून के घेरे में लेने में अक्षम

दुनिया के सबसे धनी लोगों के हितों के पक्ष में मस्क विवेक एवं सर्व-स्वीकृत मर्यादाओं पर हमले करने लगें और एक्स से जरिए उनका प्रचार करने लगें, तो मानव सभ्यता के लिए पैदा होने वाले खतरों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। इलॉन मस्क के पोस्ट आपकी टाइमलाइन पर आएं, इसके लिए जरूरी नहीं है कि सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) पर आप उन्हें फॉलो करें। यह विशेषाधिकार उन्होंने एक्स का मालिक होने के नाते हासिल कर रखा है। उनका दावा है कि उनके पोस्ट दुनिया भर में 20 करोड़ यूजर्स तक पहुंचते हैं। संवाद करने की अपनी इस शक्ति का लाभ उठाकर वे मनमानी बातें लोगों तक पहुंचाते हैं। मस्क दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति हैं। अरबपति लोगों के क्लब में उनका उठना-बैठना है। दुनिया भर में ऐसे समूह लगातार अधिक-से-अधिक धुर-दक्षिणपंथी होते गए है। मस्क इसकी सबसे उम्दा मिसाल हैं। यहां तक बात ठीक है। लेकिन दुनिया के एक फीसदी सबसे धनी लोगों के हितों के पक्ष में वे तर्क-वितर्क एवं सर्व-स्वीकृत मर्यादाओं को तोडने लगें और एक्स से जरिए उनका प्रचार करने लगें, तो उस स्थिति में समाज और मानव सभ्यता के लिए पैदा होने वाले खतरों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव में लाजिमी है, मस्क डॉनल्ड ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन क्रम में वे ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस की हत्या के लिए लोगों को भड़काने लगें, तो यह सीधे कानून तोड़ने का मामला बन जाता है। रविवार को ट्रंप की हत्या की दोबारा कोशिश हुई। उस पर एक व्यक्ति ने ट्विट किया- वे ट्रंप को मारना क्यों चाहते हैं? इस पोस्ट को टैग कर मस्क ने री-ट्विट किया- बाइडेन/हैरिस की हत्या की तो कोई भी कोशिश नहीं कर रहा? इस पर विवाद होना तय था। ह्वाइट हाउस ने इस पर असामान्य रूप से कड़ी प्रतिक्रिया जताई। तब मस्क ने वो ट्विट हटा दिया। लेकिन ये अमेरिका की बात है, जहां वे रहते हैं और जहां का कानून उन्हें घेरे में ले सकता है। कुछ समय पहले मे मस्क ने वेनेजुएला और ब्राजील की सरकारों के खिलाफ ऐसा ही जहरीला अभियान छेड़ा था। ब्राजील में तब एक्स को प्रतिबंधित किया गया। इस कदम के विरोधी लोगों से सवाल है- जो देश मस्क को अपने कानून के घेरे में लेने में अक्षम हैं, उनके पास आखिर और क्या रास्ता है?

भ्रष्टाचार से पीड़ित देशवासी

एक जमाना था, जब राजनीति को सही अर्थों में जनसेवा का सशक्त माध्यम माना जाता था, किंत अब यही माध्यम भ्रष्टाचार का सशक्त माध्यम बन गया है और आज के सत्ताधीश इस सामाजिक कोढ को मिटानें के नही, बल्कि इसके विस्तार के माध्यम बने हुए है, सवाल अब सिर्फ भ्रष्टाचार को सिर्फ आगे बढ़ानें का नही बल्कि उसे कानूनी रूप से रोकने या खत्म करने की शपथ वाली एजेंसियां भी इस कोढ के विस्तार का माध्यम बना दी गई है, आज की राजननीति नें सीबीआई, सीआईडी जैसी सरकारी जोंच ऐजेंसियों को अपने तुच्छ इरादों और मकसदों का माध्यम बना रखा है और इन तथाकथित स्वतंत्र जांच एजेंसियों पर कब्जा कर इन्हें इनके कार्य व दायित्व को ईमानदारी से निभानें में अवरोध पैदा करना शुरू कर दिया हैढ्ढ इन्हें स्वतंत्र रूप से अपने दायित्व निर्वहन की अनुमति ही नही दी जा रही है, इसका ताजा उदाहरण हाल ही में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीबीआई) द्वारा जारी रिपोर्ट है, जिसमें खुलासा किया गया है कि केन्द्रीय अन्वेष्ण ब्यूरो (सीबीआई) गंभीर भग्रष्टाचार सें सम्बन्धित 212 मामलों की जांच करके दोषियों को दण्डित करना चाहती है, लेकिन चूंकि इस जांच के लिए केंद्र व सम्बन्धित राज्य सरकारों की मंजूरी कानूनी तौर पर जरूरी है और केंद्र व सम्बन्धित राज्य सरकारों में विराजित आरोपित अधिकारी व नेता जांच करवाना नही चाहतें, इसलिए सीबीआई इनकी जॉच नही कर पा रही है, सीबीआई के पास ऐसी जॉच की अनुमति के प्रकरण पिछले वर्षों से लम्बित है और सम्बन्धित भ्रष्ट अधिकारी व नेता यह जॉच होनें नही देना चाहते? अब यहां सवाल यह है कि जिनकी जॉच होना है, वे ही भला जॉच की अनुमति कैसे देगें? यह अनुमति का प्रावधान रखा ही क्यों गया? जब सीबीआई, सीआईडी कों स्वतंत्र जॉच एजेंसी का दर्जा दिया ग्रया है तो फिर उनकी स्वतंत्रता क्यों छीन ली गई? आज इसी बात को लेकर केंद्रीय सतर्कता जॉच आयोग (सीबीआई) कॉफी परेशान है, फिर सवाल यह भी है कि सीबीसी (सतर्कता आयोग) जब कानूनी रूप से स्वतंत्र है तो सलाहो को केन्द्र व राज्य सरकारें मानती क्यों नही है? सीबीआई ने दिसम्बर 2023 तक की जारी अपनी रिपोर्ट में उन मामलों का भी जिक्र किया है, जिनमें जांच में दोषी पाए गए अफसरों के खिलाफ आयोग की सिफारिशों को भी दर-किनार कर दिया गया इनमें विभिन्न मंत्रालयों और केंन्द्र सरकार के अधीन संस्थाऐं (पीएसयु बैंक आदि) शामिल है, सीबीसी केंन्द्रीय मंत्रालायों और पीएसयु बैंकों में मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीबीओ) के जरिए भ्रष्टाचार पर अनियमितताओं पर नजर रखता है। इस रिपोर्ट में मुख्य राज्य सरकारों व केंद्र शासित राज्यों में लम्बित मामलों की जानकारी भी दी गई है, जिनमें महाराष्ट्र में तीन, उत्तरप्रदेश में दस, पश्चिम बंगाल में चार, जम्मू-कश्मीर में चार, पंजाब में चार, मध्यप्रदेश में एक व अन्य पन्द्रह मामलें है, इन 41मामलों में 149 अधिकारी शामिल बताए गए है।

इजराइल का लक्ष्य ईरान को युद्ध में लपेटना है

ललित मोहन बंसल

वैश्विक तनाव, रूस-यूक्रेन, इजराइल-हमास, सूडान गृहयुद्ध, दो अरब की भुखमरी और पर्यावरण असंतुलन की मार से संयुक्त राष्ट्रसंघ इन दिनों कैमरे में बंद है, इसके संरक्षक, मुखिया और चाहने वाले हाल-बेहाल हैं। 'यूक्रेन-रूस' युद्ध पर पश्चिमी तंज पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इतने क्रुद्ध हैं कि उनके राजनयिक प्रतिनिधि ने सुरक्षा परिषद में धमकी दे डाली कि 'इस परम्परागत युद्ध में एक ने भी लंबी दूरी के प्रेक्षापास्त्र का प्रयोग किया तो उसके परिणाम घातक होंगे।' इधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु ने संयुक्त राष्ट्र में कड़े तेवर अपनाते हुए युद्ध विराम को नकारा और अपने कमांडरों का आह्वान किया कि युद्ध की गति को बढ़ा दें। इसके एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र में इस्लामिक देशों ने दो तिहाई देशों के साथ मिलकर इजराइल पर दबाव बनाने की पहल की थी। इसका त्वरित असर यह हुआ कि इजराइली वायुसेना ने चंद घंटों बाद लेबनान के दक्षिण में ईरान के 'छद्म फ़्रंट' हेज़्बुल्लाह ठिकानों को निशाना बना कर पाँच सौ से अधिक फ्रंट समर्थकों को ढेर कर दिया और हजारों को घायल कर दिया। इसके चंद दिन पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संयुक्त राष्ट्र में 'युद्ध नहीं, शांति' और विश्व बंधुत्व के संदेश की अनसुनी कर डाली। इज़राइल और फ़िलिस्तीन के दशकों से चले आ रहे ख़ूनी संघर्ष में भारत 'दो राष्ट्र सिद्धांत' को प्रश्रय देता आया है। इसके बावजूद अमेरिकी कंधे पर सवार इजराइल के कमांडो ने घने अंधेरे में हेलीकॉप्टर से उड़ान भरते हुए शुक्रवार को सीरिया के उत्तर पश्चिम में आधुनिकतम प्रेक्षापास्त्र शोध केंद्र' को ध्वस्त किया है, एक चौंकाने वाली घटना है। यही नहीं, शनिवार रात इजराइल ने हिज्बुल्लाह के मुखिया हसन नसरुल्लाह को मार गिराने में बड़ी सफलता हासिल की है। हेज्बुल्लाह के बड़े कमांडरों में अब गिनती के कमांडर रह गये हैं। ग्लोबल फ़ायरपावर इंडेक्स की माने तो इजराइल और ईरान असल में बराबरी की टक्कर में हैं। ईरान 14वें नंबर पर है तो इजराइल 17वें पायदान पर है। ईरान के पास 551 तो इजराइल के पास 612 विमान हैं। ईरान के पास 186 लड़ाकू विमान हैं तो इजराइल के पास 241 लड़ाकू विमान हैं। टैंकों की स्थिति में ईरान आगे है। इजराइल का लक्ष्य ईरान क्यों है?: न्यूयॉर्क टाइम्स की मानें तो यह सीरियाई केंद्र ईरान की मदद से हिज्बुल्लाह संचालित कर रहा था। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि इजराइल का लक्ष्य सीधे-सीधे ईरान को युद्ध में लपेटना है। ऐसा अगले चंद दिनों में संभव है। यहाँ हमास के हमसफ़र हिज्बुल्लाह ने इजराइल के उत्तरी सीमावर्ती क्षेत्र में एक साथ सैकड़ों रॉकेट लांचर से हमला किया, इजराइली आयरन डोम से हमला विफल हो गया, प्रशासन को आनन-फानन में अपने करीब पच्चास हजार यहूदियों को सुरक्षित क्षेत्र में पुनर्वासित करना पड़ा। अब इजराइली पैदल सेना गाजा पट्टी की तरह लेबनान में घुसेगी और भयंकर तबाही मचेगी तो यह युद्ध विकराल रूप

लेता हुआ दिनों नहीं, महीनों और वर्षों तक चलेगा। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट है कि ईरान के राष्ट्रपति डाक्टर मसूद पेजेशकियन ने संयुक्त राष्ट्र में अपने उद्बोधन में पश्चमी देशों के प्रतिबंधों से मुक्ति और मित्रता का हाथ बढ़ाए जाने की घोषणा जरूर की है, उसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि ईरान के साये में पल रहे हिज्बुल्लाह, हमास और हैती संगठनों से निजात पाना संभव नहीं है। गत जुलाई में सत्तारूढ़ डॉक्टर पेजेशकियन ने यह भी कहा है, 'हिज्बुल्लाह अकेले दम इजराइल से टक्कर लेने की स्थिति में नहीं है।' यह भी एक सच्चाई है, अमेरिका में लाखों यहूदी (12 %) व्यवसायी हैं, टेक्नोक्रेट और अधिकारी हैं। इन दिनों चुनाव का माहौल गरमाया हुआ है, डेमोक्रेट जो बाइडन हों या रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप, यहूदियों की अनदेखी नहीं कर पा रहे हैं। एक दिन पहले ही राष्ट्रपति बाइडन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के शुभारंभ पर अपने अंतिम संबोधन में दलील दी थी, 'हमास सभी बंधक छोड़े फिर गाजा पट्टी से मुँह मोड़ कर चल दे, इससे युद्ध विराम और शांति का मार्ग प्रशस्त होगा।' ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप चुनाव में विजयी होते हैं तो निःसंदेह खाड़ी में युद्ध विकराल रूप लेगा। पुतिन और उनके हमसफर चीन के राष्ट्रपति शी चिन्फ़िंग तो न्यूयॉर्क पहुँचे नहीं, नाटो के द्वार पर रूसी दुंदुभि से हताश निराश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के क़द्दावर, स्थायी सदस्य इंग्लैंड और फ़्रांस भी व्लोडोमीयर जेलेंस्की के स्वर में स्वर मिला रहे हैं, लेकिन जेलेंस्की के इस प्रस्ताव पर सहमत नहीं हैं कि उन्हें रूस के अंदरूनी हिस्सों में मार करने के लिए लंबी दूरी के प्रेक्षापास्त्र दिये जाएँ। यहाँ इंग्लैंड की नई सरकार के तेवर, ख़ासकर उसके विदेश मंत्री ने यूक्रेन-रूस युद्ध में पुतिन की हठधर्मिता को कोसते हुए माफिया कह डाला। जेलेंस्की लगे रहे कि रूस पर युद्ध विराम और शांति के लिए विवश किया जाए। वह न्यूयॉर्क स्थित ट्रंप टावर में डोनाल्ड ट्रंप से मिले। ट्रंप भी उन्हें पुतिन से अपनी दोस्ती और एक दिन में युद्ध समाप्ति किए जाने की घुट्टी पिलाते रहे। इस ऊहापोह में संयुक्त राष्ट्र भले 190 देशों और पंद्रह सदस्यीय सुरक्षा परिषद की सीमाओं में बंधा हुआ है, सुरक्षा परिषद के विस्तार में अमेरिकी प्रस्ताव पर इंग्लैंड, फ़्रांस सहित अन्यान्य देश भारत, जर्मनी और ब्राज़ील सहित एक अफ़्रीकी देश को जोड़ने के लिए आगे आए हैं, लेकिन क्या इस प्रस्ताव को चीन स्वीकार करेगा? नरेन्द्र मोदी के शांति मार्ग के भी बहुत दीवाने हैं। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र मंच से मोदी जब कहते हैं, ''युद्ध नहीं, शांति ही एकमात्र विकल्प है तो यूरोपीय देशों के साथ-साथ एशियाई और अफ़्रीकी देश भी भारतीय दर्शन 'विश्व बंधुत्व' के तर्क से सम्मोहित हैं। संयुक्त राष्ट्र एक प्लेटफार्म है, साल में एक बार राष्ट्र नेता विश्व मंच पर अपनी-अपनी बात कहने न्यूयॉर्क आते हैं, दो विश्वयुद्ध की विभीषका के बाद 79 वर्ष पूर्व गठित इस साझा मंच पर अपनी व्यथा दोहराते हैं और फिर संयुक्त राष्ट्र की परिसीमाओं पर रोना रोकर चले जाते हैं। भारतीय दृष्टि से एक अच्छी बात यह कही जा सकती है कि यूक्रेन के युवा राष्ट्रपति ने मोदी को, जो पुतिन और बाइडन दोनों के मित्र भी हैं, स्वतः एक शांति दूत माना और साथ में आशीर्वाद भी लिया। मोदी दो महीने में दूसरी बार जेलेंस्की से मिले हैं, उन्होंने अपने रूस दौरे में दया अथवा दबाव में पुतिन को 'अनुज' रूप में यही संदेश दिया था, 'युद्ध नहीं, शांति' एकमात्र विकल्प है। उन्होंने यही संदेश संयुक्त राष्ट्र पहुँचे फ़िलिस्तीन के राष्ट्रपति को भी देते हुए कहा, 'विश्व एक परिवार है, विश्व बंधुत्व भारतीय पहचान है। ईरानी राजनीति में 'कठमुल्लेपन' से हटकर राष्ट्रपति डाक्टर मसूद पेजेशकियन ने कहा, 'वह पश्चिम से मित्रता का हाथ बढ़ाना चाहते हैं,' उनके इस कथन का देश में ईरानी युवाओं ने जमकर स्वागत किया, पर देश की मिलिट्री पर कुंडली जमाए धर्मगुरु अयातुल्ला खुमाइनी ने सहज लिया होगा, जो पहले से आणविक शक्ति बनने के स्वप्न देख रहे हैं?

दस सालों में हुए ज़ुल्म से ख़फ़ा है, दुखी हैं

श्रुति व्यास

जैसा अनुमान था वहीं हुआ। हमेशा की तरह श्रीनगर में कम मतदान हुआ। जबकि उन सीटों पर रिकार्ड मतदान हुआ जो भाजपा बनाम एनसी-कांग्रेस एलांयस की जीत-हार में निर्णायक है। ये पीर पंजाल के राजौरी और पूंछ जिले की आठ सीटे है। अभी तक के आंकड़ों के अनुसार इन दोनों जिलों में क्रमशः 70 और 74 प्रतिशत वोटिंग हुई है। भाजपा ने इन सीटों पर मुस्लिम पहाड़ी, बकरवाल, और गुर्जरों को महत्व, उन्हे एसटी आरक्षण दे कर रिझाया है। मगर जिस उत्साह से इन सीटों पर मतदान हुआ है वह चौंकाने वाला है। इन दो जिलों की विधानसभा सीटों में राजौरी (70 प्रतिशत मतदान) मेंधर (70 प्रतिशत), सुरनकोट (72 प्रतिशत), बुदल (70 प्रतिशत), पूंछ हवेली 70 प्रतिशत), थानामंडी (68 प्रतिशत) में जोरदार वोटिंग हुई है। साथ ही नौशेरा (69त्न मतदान) और कालाकोट (66त्न मतदान) जहां हिंदू वोट कुछ ज्यादा है वहां भी आज के मतदान से कांटे की लड़ाई के संकेत है। सुरनकोट सीट पर ही राहुल गांधी और फारूक अब्दुल्ला की रैली में भीड़ उमड़ी थी उसका असर आज के मतदान से झलका है। मगर राजधानी श्रीनगर (29.24त्न मतदान) में कम मतदान और बडगाम में (61.31त्न मतदान) तथा गंदेरबल में (62.63त्नमतदान) अच्छे मतदान का सीधा अर्थ है कि एनसी-कांग्रेस विरोधी निर्दलीयों, पीडीपी के लिए मुकाबला निश्चित मुश्किल भरा है। वे उम्मीदवार अपने समर्थकों को घर से कम ही बाहर निकाल पाएं, जो नेशनल कांफ्रेस से मुकाबला करते हुए थे। वे मतदाता वोट ज्यादा करते मिले जिनमें न जाने क्यों यह जिद्द थी कि वोट देने के बाद मतदान केंद्र से बाहर निकलने तक ऊंगली से स्याही पोंछे ले। मैंने श्रीनगर और गान्दरबल में बार-बार अनुभव किया कि पोलिंग बूथ से निकलते ही वोटरों ने अपनी ऊंगली को पोछा, रगड़ा और घिसा ताकि उस पर वोट डालने का कोई निशान बाकी न रहे। और इनमें सभी शामिल थे, -महिलाएं और पुरुष, युवा और बुजुर्ग, रईस और फ़कीर। गान्दरबल के एक पोलिंग बूथ पर, 70 या शायद 80 बरस के एक बुजुर्ग ने मुझे गुस्से से कहा -"हमको घुटन हो रही है दस साल से।" दूसरी टिप्पणी जऱीफ़ अहमद जऱीफ़ की थी –"ज़ुल्म के खिलाफ है ये वोट। और पाकिस्तान को बताने के लिए कि हम ज़िन्दा हैं।" जऱीफ़ अहमद जऱीफ़ कश्मीर के बुद्धिजीवी, शायर और सामाजिक कार्यकर्ता बताये जाते हैं। वे छोटे कद के दुबले-पतले बुजुर्ग हैं। उनकी उम्र 81 साल की है और वे उतनी ही उम्र के लगते भी हैं। मगर उनकी आवाज़ में जो जज़्बा, जोश और गुस्सा था, उसे अनदेखा करना संभव नहीं था। ये दोनों बुजुर्ग वोट देने इसलिए निकले थे क्योंकि उनके दिल में गुस्सा था। वे बदला लेना चाहते थे। और यह करीब-करीब तय है कि उन्होंने ईवीएम का वह बटन दबाया होगा, जो उनके हिसाब से ज़ुल्म के खिलाफ था। मगर दोनों को ही स्याही लगी अपनी ऊंगली के साथ अपनी फोटो खिचवाना मंजूर न था। जऱीफ़ अहमद जऱीफ़ ने वोट देने के बाद बाहर निकलते ही अपनी ऊंगली से स्याही पोंछ दी। उन्होंने अपनी जेब से रुमाल निकाला और स्याही के अपना निशान छोडऩे से पहले ही उसे मिटा दिया। यहाँ तक कि वे मतदान केंद्र के बाहर खड़े होकर भी अपना फोटो खिचवाने के लिए तैयार नहीं हुए। और इस मामले में जऱीफ़ अकेले नहीं थे। मैंने जऱीफ़ अहमद को अपना गुस्सा जाहिर करते देखा। वे हिंदी का इस्तेमाल केवल हरि पर्वत पर तिरंगा फहराने के लिए शासन को खरीखोटी सुनाने के लिए कर रहे थे। मैंने उनमें वह कश्मीरी मानसिकता देखी जो कभी बदलेगी नहीं, चाहे दौर कोई भी हो और परिस्थितियां चाहे कितनी ही बदल जाएँ, और जो मानसिकता हर नयी पीढ़ी को

पिछली पीढ़ी से विरासत में मिलेगी। मैं जिस कश्मीरी मानसिकता की बात कर रही हूँ वह उन लोगों की है जो शेख अब्दुल्ला के ज़माने के हैं, जो प्रजातंत्र के सारे लाभ और हक हासिल करना चाहते हैं मगर जिन्हें नहीं मालूम कि वे असल में कहाँ के हैं? वे जो पिछले दस साल में हुए ज़ुल्मात के खिलाफ वोट देना चाहते हैं मगर पिछले तीस या उससे ज्यादा सैलून के ज़ुल्मात से आँखें फेर लेना चाहते है। जो प्रजातान्त्रिक दिखना चाहते हैं, मगर चुपके-चुपके। जो बदलाव चाहते हैं मगर जिन्हें पता नहीं है कि वह बदलाव कैसा होना चाहिए। बहरहाल, आज के मतदान में वह जोश, उमंग और माहौल नहीं था जो दक्षिण कश्मीर में 18 सितम्बर को मतदान के पहले दौर में था। वह आज, मध्य कश्मीर में हुए दूसरे दौर के मतदान में गायब था। सुबह नौ बजे तक श्रीनगर में केवल 4.70 प्रतिशत वोट डाले गए थे और गान्दरबल, जहाँ पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशात 67.7 प्रतिशत, में तब तक केवल 12.61 फीसद वोटरों ने बटन दबाया था। दिन चढऩे के साथ तपिश बढऩे लगी और मतदान केंद्र सूने होने लगे। गान्दरबल के गांवों की सड़कों और गलियों में वह हलचल नहीं थी जो कुलगाम में 18 सितम्बर को थी। उस दिन पत्रकार बन्धु, एक जिले से दूसरे जिले भाग रहे थे। मगर इस बार, उन्होंने आराम से दोपहर का भोजन किया और बोर हो कर कवरेज खत्म कर दी। उन पर भी मतदाताओं की उदासीनता का असर था। कुल मिलाकर, मध्य कश्मीर में दूसरे दौर के मतदान पर उदासीनता हावी थी। गान्दरबल में सुबह-सुबह कुछ उत्साह दिखा था मगर उसके बाद, वहां मुझे प्राकृतिक सुन्दरता तो दिखी मगर उत्साही मतदाता नहीं। मतदान केन्द्रों के बाहर लम्बी कतारें नहीं थीं। हाँ, कुछ लोग थे जो मतदान केन्द्रों के अन्दर जा रहे और बाहर निकल रहे मतदाताओं पर नजऱ रख रहे थे। हो सकता है कि वे केवल तमाशबीन हों। मगर मुझे तो यही लगा है कि बड़े ध्यान से वोट देने वालों को देख रहे थे। उन्हें दूसरों से बातचीत करने में कोई रूचि नहीं थी। वे चुनाव या उम्मीदवारों के बारे में कुछ भी कहने के लिए तैयार नहीं थे। मगर वे पैनी निगाहों से सब कुछ देख रहे थे। क्या उनके मन में ज़ुल्म और घुटन से जुड़ी बातें थीं? पहले दौर में जहाँ बदलाव की चाहत सर्वोपरि थी, वहीं दूसरे दौर में भावनाओं का ज्वार था – ऐसा ज्वार जो लोगों के दिलों से बाहर निकल कर फूट पडऩे पर आमादा था। वे मोदी और शाह के खिलाफ वोट देना चाहते थे मगर वे इतने डरे हुए भी थे की अपनी ऊंगली पर लगा स्याही का निशान मिटा रहे थे। पर फिर यह भी सवाल है कि कश्मीर में दूसरे दौर के मतदान में शहरी श्रीनगर और गान्दरबल और बडगाम में लोग उस तरह से वोट देने बाहर तो नहीं निकले जिससे लगे की वे पिछले दस सालों में हुए ज़ुल्म से खफ़ा है, दुखी हैं।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज पारिवारिक सुख-सुविधाओं पर खर्चा ज्यादा हो सकता है लेकिन इनकम अच्छी होने से तनाव नहीं रहेगा। आज आप बच्चों के साथ धैर्य रखते हुए व्यवहार करेंगे तो आप उनके प्रिय व्यक्ति बन जाएंगे और इससे उनका मनोबल और आपका सम्मान बढ़ेगा। आज कार्यस्थल पर बाहरी गतिविधियों को लेकर सावधान रहें। आज खुद को अपने कामों में व्यस्त रखें।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज अपनी काबिलियत और मेहनत पर भरोसा रखें तो आज कठिन काम भी थोड़ी कोशिश से ही पूरे हो सकते हैं। आज रिश्तेदार से आपको अच्छी खबर मिल सकती है। आज गैर जरूरी खर्चों पर काबू रखें। नहीं तो आपका बजट गड़बड़ा सकता है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको प्रभावशाली लोगों के साथ काम करने का मौका मिलेगा इससे आपको महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। मानसिक शांति रहेगी। आज रोजमर्रा के काम पहले की तरह चलते रहेंगे। नजदीकी यात्रा भी हो सकती है। आज किसी पर भी आंख बंद कर के भरोसा नहीं करेंगे तो आप किसी बड़ी समस्या से बच जाएंगे। आज अपने निजी मामलों को नजरअंदाज न करें।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपके रुके कामों में तेजी आएगी। आज परिवार के लोगों से महत्वपूर्ण मुद्दे पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आपके घर में धार्मिक आयोजन का विचार भी बनेगा। आज बच्चों से संबंधित किसी समस्या का समाधान निकालने के लिए किसी अनुभवी इंसान से सलाह लें। आज कार्यक्षेत्र में रूके काम जल्दी निपटाने के लिए कड़े फैसले लेने पड़ेंगे, जिसका फायदा आने वाले दिनों में मिलेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है।आज शाम तक आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आज प्रॉपर्टी से जुड़े मुद्दों पर चल रहे विचार विमर्श में सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे। आज महिलाएं अपनी पर्सनैलिटी को लेकर अवेयर रहेंगी। आज भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें, पहले सोच-विचार अवश्य कर लें। आज आप बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार करेंगे क्योंकि ज्यादा रोक-टोक से उनका आत्मबल कम हो सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है।आज घर के बुजुर्गों से प्रेम और आशीर्वाद मिलेगा। आज थोड़ा वक्त धार्मिक और सामाजिक कामों में बीताएं। इससे मानसिक शांति मिलेगी। आज आर्थिक निवेश के लिए दिन अच्छा है। आज खुद में बदलाव लाना जरुरी है। आज कई बार अपने उसूलों पर अड़े रहना नुकसान दे सकता है।

तुला राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपकी कोई इच्छा भी पूरी हो सकती है। आज मेहनत के मुताबिक नतीजे नहीं मिलने से मन थोड़ा उदास रहेगा। आज ज्यादा काम करने से आाप शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से थक सकते हैं। आज प्लान और काम करने के तरीके किसी से शेयर न करें। कोई इसका गलत फायदा उठा सकता है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है।आज दोस्तों और कुछ साथियों के साथ योजनाएं बनेंगी। आज घर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए ज्यादा काम रहेगा। आज पूरे मन और ताकत से उन्हें पूरा करने में सक्षम रहेंगे। आज व्यवस्थित दिनचर्या रखें। आज फालतू कामों में अपना समय खराब न करें।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी है। इसका इस्तेमाल करना आपकी काबिलियत पर निर्भर करता है। आज आपको मुश्किल सवाल का जवाब भी आसानी से मिल सकता है। आज दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। आज रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजें खराब होने से सुधार कामों में पैसा खर्च होगा। घर में खराब चीजें रखने से बचें।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपका कोई सरकारी मामला सुलझ सकता है। जिससे आपको मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आज रिश्तेदार के किसी विवाद में आपकी मौजूदगी निर्णायक रहेगी। आपकी बुद्धिमानी और सूझबूझ की तारीफ भी होगी। आज अपनी योजनाएं किसी से शेयर न करें।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिवार की सुख-सुविधा संबंधी चीजों की शॉपिंग करेंगे। आज आपके कुछ पर्सनल काम भी पूरे होंगे। कभी-कभी परिवार वालों के विचार आपकी परेशानी का कारण बन सकते हैं। आज अपने व्यवहार और विचारों को संयमित रखें।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। किसी भी परिस्थिति में अपने काम पूरे करने की ताकत रखेंगे। आज समाज और परिवार में आपका सम्मान बढ़ेगा। आज किसी खास काम से यात्रा हो सकती है। आज भावुकता और उदारता जैसी कमजोरियों पर काबू रखने से आप अच्छे फैसले लेने में सक्षम रहेंगे।

शब्द सामर्थ्य -193

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 192 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
बा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	वि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	वल	■	न	मि	त	■	न

सूडोकु नवताल- 7204

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7203 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

इंटरव्यू के दौरान आपका फर्स्ट इम्प्रेशन ही दिलाता है सफलता

इंटरव्यू का पहला इंप्रेशन अगर आपका अच्छा गया है तो यह आपको आसानी से नौकरी दिला सकता है। कई बार हम बड़ी कंपनी में इंटरव्यू के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं। ऐसे में अच्छी नौकरी हमारे हाथ से निकल जाती है। अगर आप भी जॉब के इंटरव्यू की तैयारी में लगे है तो इंटरव्यू को दौरान कुछ बातों का रखें खास ख्याल।

इंटरव्यू में केवल आपकी शिक्षा ही नहीं बल्कि आपके बोलचाल का तरीका भी देखा जाता है। ऐसे में कई बार आप सभी सवालों का सही जवाब देते है इसके बावजूद भी आपकी नौकरी नही लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कई बार सामने वाला आपके काम के साथ ही आपकी बॉडी लैंग्वेज भी नोटिस करता है। ऐसे में आपको इंटरव्यू के समय इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

कपड़ो का रखें खास ख्याल

अगर आप जॉब इंटरव्यू के लिए जा रही हैं तो आपको कपड़ो का खास ख्याल रखना चाहिए। कोशिश करें की आप फॉर्मल कपड़े ही पहने। ऐसा करने से भी आपका फर्स्ट इम्प्रेशन काफी अच्छा जाएंगा। ज्यादा तड़क-भड़क रंग के कपड़ों को इंटरव्यू में पहनने से हमेशा ही बचना चाहिए।

बॉडी लैंग्वेज का रखें खास ख्याल

बॉडी लैंग्वेज यानी हाव-भाव एक तरह की शारीरिक भाषा है। जो व्यक्ति आपका इंटरव्यू ले रहा है वह आपके बॉडी लैंग्वेज पर खास ध्यान देता है। कई कंपनियां स्किल्स के साथ ही कैंडिडेट के उठने-बैठने के अंदाज और बातचीत करने के तरीके को ध्यान में रखते हुए भी उन्हें शॉर्टलिस्ट करती हैं। ऐसे में आपको इसका खास ख्याल रखना है।

आई कॉन्टैक्ट से बनेगा खेल

आपसे जब किसी भी तरीके का सवाल पूछा जाएं तो आई कॉन्टैक्ट करके जवाब दें। ऐसा करने से भी आपको जॉब आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप इधर-उधर देखते हुए जवाब देंगे तो इससे आपके कॉन्फिडेंस पर सवाल उठ सकता है।

कॉलेज की ये डिग्रियां आपको दिला सकती हैं सबसे ज्यादा सैलरी

अगर आपको बेहतर सैलरी चाहिए तो कॉलेज से करें ये कोर्सेज, इन कोर्सेज के करने से आपकी अच्छी नौकरी के चांसेस और भी बढ़ जाते हैं।

हम सब एक बेहतर नौकरी की तलाश में रहते हैं। जहां हमारी सैलरी बेहतर हो और हमें एक अच्छा लिविंग स्टैंडर्ड मिले, इतना ही नौकरी पाने के बाद हमारा सोसाइटल स्टेटस भी बढ़ जाए। इन सभी बेहतर चीजों के लिए हमें जरूरत होती है, एक बेहतर सैलरी वाली नौकरी। ऐसे में हमें स्कूल पास करते ही यह सोच लेना चाहिए कि हम आगे क्या करना चाहते हैं। ताकि उसी के मुताबिक हम अपने ऊपर काम कर सकें। ऐसे में हमें कॉलेज से उस डिग्री की पढ़ाई करनी चाहिए, जिससे कॉलेज के बाद नौकरी के लिए ज्यादा भटकना ना पड़े। खैर भारत में बेरोजगारी के हालात को देखते हुए यह दावा नहीं किया जा सकता कि कोई कोर्स करके आप निश्चित ही नौकरी पा सकते हैं। पर आप इन कोर्सको करने के बाद थोड़े ही एफर्ट में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी पा सकते हैं तो आइए जानते हैं, कि आखिर कौन से हैं वो कोर्सेज।

एमबीबीएस, मेडिकल

मेडिकल की शिक्षा को लेकर भारत में सबसे ज्यादा मुकाबला है। एमबीबीएस का फुल फॉर्म बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी है'। मुट्ठी भर कॉलेजों के लिए लाखों बच्चे परीक्षा में बैठते हैं। यह डिग्री पूरी कर लेना अपने आप में ही बड़ी बात होती है, क्यों कि आधे से ज्यादा बच्चे कॉलेज के लिए परीक्षा क्वालीफाई ही नहीं कर पाते। यह कोर्स 5.5 साल का होती है मगर इसे पास करने में और भी साल लग जाते हैं। इसके लिए आपको नीट की परीक्षा देनी पड़ती है, अगर आप क्वालिफाई होते हैं तब ही आपको कॉलेज मिलेंगे।

बीबीए, मैनेजमेंट

ज्यादातर कॉमर्स स्टूडेंट बीबीए का ऑप्शन चुनते हैं। इस कोर्स के साथ करियर बनाने के लिए आपकी मैनेजमेंट की स्किल बहुत अच्छी होनी चाहिए। आज के इस कॉम्पिटेटिव माहौल में हर कंपनी मैनेजर रखना चाहती है, जिस कारण इस कोर्स को पढ़ने से आपकी अच्छी खासी जॉब लग सकती है। यह कोर्स करने के बाद आपको बिजनेस और मैनेजमेंट से जुड़ी हर अहम बात बताई जाती हैं। बीबीए तीन साल का कोर्स होता है, आप को बता दें कि ये कोर्स काफी महंगा है, अगर आप सरकारी कॉलेज निकालते हैं तब तो बजट फ्रेंडली है, मगर प्राइवेट कॉलेज में ये फीस और भी ज्यादा है। पर अगर आपको यहां एक अच्छी प्लेसमेंट मिल जाए, तो आपका करियर सेट हो जाएगा।

बीटेक, इंजीनियरिंग

आज हर फील्ड में आधुनिकता की जरूरत है, जिस कारण इंजीनियर्स के लिए जॉब हमेशा

रहेगी। देश में ही नहीं बल्कि विदेशी मुल्कों में भी भारतीय इंजीनियर्स बड़े-बड़े पदों पर काम करते हैं। अगर आप टेक्निकल फील्ड में इंटरेस्ट रखते हैं तो आपको बीटेक करने के बारे में सोचना चाहिए, हालांकि पिछले कई सालों से प्राइवेट कॉलेज के चलन के कारण इसमें जॉब के लिए और भी ज्यादा कॉम्पिटिशन बढ़ता जा रहा है। अगर आपको आईआईटी या एनआईटी के कॉलेज में पढ़ने का मौका मिलता है, तो ये कोर्स करना आप के लिए फायदेमंद है।

मर्चेंट नेवी

समुद्र के बीच बड़ी बड़ी नावों में आने जाने वाले समान को सुरक्षित रखने का काम मर्चेंट नेवी का होता है। यह वैश्विक व्यापार की रीढ़ के रूप में काम करता है। यह प्राइवेट कंपनियों और सरकार दोनों के लिए ही काम करता है। आप चाहें तो बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद ही इस जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यहां शुरुआती पोस्ट की भी सैलरी 50000 के ऊपर है, जो कई अन्य नौकरियों के मुकाबले काफी ज्यादा है।

एलएलबी

अगर आपको देश विदेशों के नियम-कानून के बारे में जानने में दिलचस्पी है तो आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं। जिसके लिए भारत में कई सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के कॉलेज मौजूद हैं, इस डिग्री को अगर अच्छे कॉलेज से किया जाए, तो सैलरी का पैकेज 8,00,000 सालाना हो। अगर आप एलएलबी कर रहें हैं तो मन लगाकर करें, जिससे जल्द से जल्द नौकरी लगने आसार हों।

बिना एक्सपीरियंस संगीत में दिलचस्पी रखने वाले भी बना सकते हैं इसमें करियर

पहले के समय में लोग सिर्फ इंजीनियर और डॉक्टर के करियर को ही सबसे अच्छा प्रोफेशन मानते थे। पर, बदलते वक्त ने लोगों के नैरेटिव को भी बदल दिया है। आज के समय में कोई भी अपने पैशन और टैलेंट के बदौलत भी ऊंचाइयों को छू सकता है। साथ ही, इससे अच्छी कमाई भी कर सकता है। क्योंकि आज के दौर में लोगों को कुछ नया और हटके पसंद आता है।

आज के समय में अगर आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसे अपना प्रोफेशन बना सकती हैं। ऐसे में आप यदि म्यूजिक में गहरी रुचि रखते हैं और आपको उसकी जानकारी भी है, तो आप इसके माध्यम से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। हालांकि, म्यूजिक भी इतना आसान नहीं होता है। इस क्षेत्र में केवल वही करियर बना सकते हैं, जिसके अंदर क्रिएटिविटी हो और जिसमें म्यूजिक के प्रति जुनून हो। पर, बहुत से लोग टैलेंट होने के बावजूद भी कभी-कभी पीछे रह जाते हैं। तो चलिए हम आज आपको बिना किसी एक्सपीरियंस के म्यूजिक में करियर बनाने की टिप्स बताते हैं।

म्यूजिक में करियर कैसे बनाएं?

आजकल ऑनलाइन और सोशल मीडिया की वजह से म्यूजिक इंडस्ट्री में काफी बदलाव आया है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपने टैलेंट को दिखा रहे हैं और उन्हें खूब पसंद भी किया जा रहा है। इस तरह लोग काफी कुछ अपने दम पर कर पा रहे हैं। पहले के समय में यह सुविधा नहीं होती थी, तो बहुत कम लोग ही अपने पैशन को चुन पाते थे।

इंस्टाग्राम के जरिए बनाएं म्यूजिक में करियर

आप अगर म्यूजिक में दिलचस्पी रखते हैं और आपके अंदर कुछ अलग करने का हुनर है, तो आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या इंस्टाग्राम पर रील्स बनाकर इसे शेयर कर सकते हैं। यदि आपकी क्रिएटिविटी लोगों को पसंद आई, तो ऐसा करने से धीरे-धीरे आपकी फैन फॉलोइंग बढ़ सकती है। इसके बाद आप फेमस हो सकते हैं और आपकी अर्निंग भी शुरू हो सकती है। हालांकि, इसके लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। आप चाहें तो वीडियो शूट करने के लिए अपने घर में भी छोटा सा शूटिंग कमरा बना सकती हैं। इसके अलावा, आप कहीं अच्छे स्पॉट पर भी शूट कर सकते हैं।

यूट्यूब से कर सकते हैं अच्छी कमाई

अगर आपके पास म्यूजिक का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन आपके अंदर इसके प्रति जुनून है, तो आप अपने टैलेंट को दुनिया के सामने दिखाने के लिए यूट्यूब का सहारा ले सकते हैं। इसपर आप अपनी लॉन्ग या शॉर्ट वीडियो बनाकर अपलोड कर सकते हैं। शुरुआत में तो धैर्य रखना पड़ेगा। पर, इसी तरह यदि आप सही समय और ट्रेंड को फॉलो करते हुए लगातार वीडियो डालेंगे तो आपके पोस्ट की रीच बढ़ सकती है। यही नहीं, आप इसके माध्यम से भी एक अच्छे कलाकार बन सकते हैं।

म्यूजिक से संबंधित कोर्स कर बनाएं करियर

अगर आप म्यूजिक में अपना करियर देखते हैं, तो आप इस फिल्ड में स्पेशल कोर्स करके भी प्लेसमेंट के जरिए आगे का रास्ता चुन सकते हैं। इसके लिए भारत में कई सारे कॉलेज और यूनिवर्सिटी उपलब्ध है, जो संगीत से ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने की सुविधा देते हैं।

बी.ए. करने के बाद नहीं मिल रही है नौकरी? इन करियर फील्ड में करें ट्राई

अगर अपने बीए की डिग्री हासिल की है और अब आपको यह समझ में नहीं आ रहा है कि आप अपने करियर को आगे किस तरह बढ़ाएं तो आप इन फील्ड में ट्राई कर सकते हैं।

किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आर्टस में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं। आर्टस स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं। अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें। अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं। इसके बाद आप लॉ प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

अब 6 खिलाड़ी रिटेन कर सकेंगी आईपीएल टीमें : गवर्निंग काउंसिल

इंम्पैक्ट प्लेयर नियम भी जारी रहेगा

बेंगलुरू। आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत ही अब फ्रेंचाइजी को अपनी पिछली टीम से 4 की जगह पर 6 खिलाड़ियों को रिटेन (बरकारार) रख सकेंगी। इसमें नीलामी का एक 'राइट टू मैच' (आरटीएम) कार्ड भी शामिल रहेगा। इसकी कीमत 120 करोड़ रुपये के बढ़े हुए टीम पर्स में से 75 करोड़ रुपये होगी। इससे पहले साल 2022 में आयोजित पिछली मेगा नीलामी में एक टीम को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी गयी थी। फ्रेंचाइजी को अगले सत्र के लिए 'नीलामी के साथ ही रिटेनशन' के लिए 120 करोड़ रुपये की रकम के अलावा 12.60 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रकम भी आवंटित करनी होगी।

बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनसार पहले रिटेनशन का खर्चा 18 करोड़ रुपये होगा। उसके बाद 14 करोड़ रुपये की दूसरी और 11 करोड़ रुपये की तीसरी रिटेनशन राशि रहेगी। वहीं अगर कोई फ्रेंचाइजी चौथे और पांचवें रिटेनशन का विकल्प चुनती है तो उन्हें फिर से 18 करोड़ रुपये और 14 करोड़ रुपये अदा करने होंगे।' उन्होंने कहा, 'इसलिए कोई भी फ्रेंचाइजी अगर सभी पांच रिटेनशन का विकल्प रखती है तो उसके पास खरीदने के लिए केवल 45 करोड़ रुपये रहेंगे। यहां तक कि वह अपने आरटीएम कार्ड का उपयोग करके भी अन्य 15 खिलाड़ी खरीदकर एक टीम तैयार कर सकती है। भारतीय और विदेशी रिटेनशन को लेकर कोई सीमा नहीं है।' अधिकांश मजबूत फ्रेंचाइजी छह से आठ खिलाड़ियों को रिटेन करने के पक्ष में थीं जबकि कुछ अन्य फ्रेंचाइजी के पास ज्यादा बड़े खिलाड़ी नहीं थे इसलिए वह इसका विरोध कर रहे थे। इसके अलावा विवादास्पद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को भी बनाये रखा गया है। इस नियम को आईपीएल 2023 के दौरान पेश किया गया था और तब से ही इस नियम पर आम राय नहीं बन पायी थी और इसके विरोधियों का कहना था कि इससे ऑलराउंडरों का महत्व कम हो गया था।

नितेश ने समर्थन के लिए अपने पुराने स्कूल को कहा धन्यवाद

नई दिल्ली। भारतीय शटलर नितेश कुमार ने अपने पुराने स्कूल, नेवी चिल्ड्रेंस स्कूल, विजाग को उनके कठिन समय में मिले समर्थन के लिए धन्यवाद दिया है। हाल ही में पेरिस पैरालंपिक 2024 में पैरा-बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतने वाले नितेश, जिन्होंने पुरुष एकल एसएल 3 श्रेणी में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, ने इस जीत को देश और अपने स्कूल को समर्पित किया। इस मौके पर नितेश ने छात्रों को संदेश देते हुए कहा, सफलता पर ध्यान केंद्रित न करें, बल्कि अपने विकास और मेहनत पर ध्यान दें। खुद पर विश्वास रखें और अपने सपनों का पीछा करें।नितेश ने कहा, यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैंने पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता। इस सफलता में एनसीएस विजाग का बड़ा योगदान है। मेरे सबसे कठिन समय में, जब मैं अपनी दुर्घटना के बाद स्कूल में दाखिल हुआ, मेरे प्रिंसिपल और केमिस्ट्री टीचर ने मुझे ढांढस बंधाया और लगातार मेरा समर्थन किया। नितेश ने बताया कि स्कूल में रहते हुए वह खेलों में ज्यादा रुचि नहीं रखते थे, लेकिन वहां की अद्वितीय खेल संस्कृति ने उन्हें प्रेरित किया। नितेश ने कहा, स्कूल के दिनों में मैं खेल के मैदान के बाहर से साथी छात्रों का समर्थन करता था, लेकिन आज

पैरालंपिक में जब मुझे अपने स्कूल समुदाय का समर्थन मिला, तो मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ। नितेश जल्द ही अपने स्कूल का दौरा करने और अपनी जीत का जश्न छात्रों और शिक्षकों के साथ मनाने की योजना बना रहे हैं। एनसीएस विजाग की पूर्व प्रिंसिपल निकिता तोमर मान, जो अब नोएडा के इंद्रप्रस्थ ग्लोबल स्कूल की प्रिंसिपल हैं, ने नितेश की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा, एक शिक्षक के रूप में मेरे लिए इससे बड़ी संतुष्टि की कोई बात नहीं हो सकती कि नितेश जैसे छात्र ने अपनी सफलता में मेरी छोटी सी भूमिका को याद किया। यह किसी भी शिक्षक के लिए गर्व की बात है। भारत ने इस पैरालंपिक में कुल पांच पदक जीते, जिनमें एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। यह पैरालंपिक खेलों के किसी भी संस्करण में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खास बात यह है कि इस बार भारत ने पहली बार महिलाओं की स्पर्धाओं में भी पोडियम हासिल किया।

664 मैचों में 76 बार मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता सचिन ने

नई दिल्ली। महान भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अब भी मैन ऑफ द मैच का खिताब पाने में सबसे आगे हैं। सचिन ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में 664 मैचों में 76 बार मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता है। सचिन ने टेस्ट क्रिकेट में 14 बार और वनडे में 62 बार यह अवॉर्ड हासिल किया। यह रिकॉर्ड अब तक अटूट है, और उनके सबसे करीब मौजूदा भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली हैं, जिन्होंने 534 मैचों में अब तक 67 बार मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता है। विराट ने टेस्ट में 10, वनडे में 41 और टी20 में 16 बार यह पुरस्कार जीता है। हालांकि, विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है, इसलिए अब उनके पास टेस्ट और वनडे में यह रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। तीसरे स्थान पर पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज सनथ जयसूर्या हैं, जिन्होंने 586 मुकाबलों में 58 बार मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। उन्होंने टेस्ट में 4, वनडे में 48 और टी20 इंटरनेशनल में 6 बार यह पुरस्कार जीता। चौथे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं, जिन्होंने 519 मैचों में 57 बार यह अवॉर्ड

जीता। श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा 594 मैचों में 50 मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड्स के साथ पांचवें स्थान पर हैं। मौजूदा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इस सूची में 484 मैचों में 42 मैन ऑफ द मैच पुरस्कारों के साथ नौवें स्थान पर हैं। विराट कोहली के पास अभी भी वनडे और टेस्ट में प्रदर्शन कर सचिन तेंदुलकर के इस बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका है।

गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों को मिली भारतीय टीम में जगह

मुम्बई। बांग्लादेश के खिलाफ अगले माह शुरु हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जो भारतीय टीम चयनित हुई है। उसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों को जगह मिली है। ये स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज मयंक यादव को टीम में जगह मिलने से साबित हुआ है। ये दोनो ही जिन आईपीएल टीमों में रहे उनके मेंटोर गंभीर रहे थे। गंभीर आईपीएल में दो टीमों के मेंटर रहे हैं। वह लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ दो साल रहने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के भी मेंटोर रहे हैं। स्पिनर वरुण लंबे समय से आईपीएल में कोलकाता के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने गंभीर की कप्तानी में ही अपना आईपीएल डेब्यू किया था। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका दौरे पर अपना टी20 डेब्यू किया था। भारतीय टीम की ओर से

अभी तक खेले छह मैचों में वरुण ने दो ही विकेट लिए हैं। तब किसी को अंदाजा नहीं था कि उन्हें टीम में जगह मिल सकती है पर गंभीर, वरुण को काफी पसंद करते हैं और उन पर भरोसा भी करते हैं। माना जा रहा है कि इसी कारण वरुण को तीन साल बाद अचानक से टीम इंडिया में वापसी का अवसर मिला है। वहीं गंभीर जब लखनऊ के मेंटर थे तब उन्होंने मयंक यादव की गेंदबाजी को तराशा था। मयंक ने आईपीएल में सबसे तेज गेंदबाजी का रिकार्ड बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षत किया था पर वह बीच सत्र में ही चोटिल होने के कारण बाहर हो गये थे।

भारत दौरे से पहले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर घायल, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलना मुश्किल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन घायल हो गए हैं और वह इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। ग्रीन को पीठ में चोट लगी है जिससे वह भारत के खिलाफ 22 नवंबर से शुरु होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलना मुश्किल लग रहा है। ऑस्ट्रेलिया का कहना है कि ग्रीन जब तक पर्थ नहीं पहुंच जाते तब तक, उनकी चोट के बारे में कुछ भी नहीं कह सकता। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज को शुरू होने में अभी 2 महीने हैं। 25 वर्षीय कैमरन ग्रीन ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के तीसरे वनडे में पीठ में अकड़न की शिकायत की थी। चेस्टर ली स्ट्रीट में खेले गए उस मैच में ग्रीन ने 45 रन देकर 2 विकेट लिए थे जबकि बल्ले से 45 रन भी बनाए थे। सिटी स्कैन में ग्रीन की पीठ में चोट का पता चला है जिसके बाद उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज से पहले घर लौटना पड़ा है।ग्रीन को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में आराम दिया गया था। उन्हें आराम वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत दिया गया था लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ वह सभी तीनों टी20 मैच खेले थे। इंग्लैंड दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों

की चोटिल होने की सूची लंबी होती जा रही है। ग्रीन चोटिल होने वाले पांचवें खिलाड़ी हैं। इससे पहले नेथन एलिस, जेवियन बार्टलेट, रिले मेरेडिथ और बेन ड्वारियास चोटिल हो चुके हैं। कैमरन ग्रीन ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था। चार साल पहले उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में कदम रखा था तब उन्होंने सिडनी में अर्धशतक लगाया था। पिछले साल जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे पर आई थी तब अहमदाबाद में ग्रीन ने शानदार शतक लगाकर अपना परिचय कराया था। वह इस साल 174 रन की पारी खेलकर चर्चा में थे। उन्होंने ये पारी न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली थी।

व्यापार

वैश्विक रुझान और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

प्रमुख शेयरों की अगुवाई में बाजार का सकारात्मक रुख जारी रहेगा

मुंबई। वैश्विक रुझान, घरेलू मोर्चे पर वाहन बिक्री के मासिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे अगले सप्ताह कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बुधवार दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि आगे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह की निगरानी करना रोचक रहेगा। इस साल सितंबर में भारतीय शेयर बाजार में सबसे ज्यादा एफआईआई प्रवाह देखने को मिला है। जिंस कीमतों में उतार-चढ़ाव, अमेरिका के डॉलर सूचकांक और वहां के वृहद आर्थिक आंकड़ों से

भी बाजार को दिशा मिलेगी। इसके साथ ही भू-राजनीतिक घटनाक्रम वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण कारक बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर वाहन बिक्री के मासिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजों से आने वाले समय में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। सप्ताह के दौरान विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) का आंकड़ा बाजार की धारणा को प्रभावित करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमें उम्मीद है कि प्रमुख शेयरों की अगुवाई में बाजार का सकारात्मक रुख जारी रहेगा। आगे चलकर घरेलू संकेतकों के अभाव में वैश्विक कारक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एक अक्टूबर को जारी होने वाले वाहन बिक्री के आंकड़ों पर सभी की निगाह रहेगी। इसके अलावा एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई और एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई के आंकड़े भी महत्वपूर्ण रहेंगे। साथ ही विदेशी कोषों के प्रवाह तथा कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव पर भी सभी की निगाह रहेगी। आगे निवेशकों की निगाह कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों पर रहेगी। निवेशक कंपनियों की आमदनी में सुधार की उम्मीद कर रहे हैं।

नवरात्र से पहले 2 से 3 रुपए सस्ता हो सकता है पेट्रोल-डीजल

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। दरअसल कच्चे तेल की कीमतों में हाल के सप्ताहों में आई कमी से पेट्रोलियम कंपनियों के वाहन ईंधन पर मुनाफे में सुधार हुआ है। इससे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को पेट्रोल तथा डीजल की कीमतों में 2 से 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की गुंजाइश मिली है। एक रेटिंग एजेंसी ने ये जानकारी दी है। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की कीमत सितंबर में औसतन 74 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी, जो मार्च में 83-84 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। इक्रा ने एक नोट में कहा गया है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी के साथ हाल के सप्ताहों में भारतीय पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मोटर वाहन ईंधन की खुदरा

बिक्री पर विपणन मुनाफे में सुधार हुआ है। रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें वर्तमान स्तर पर स्थिर रहीं तो खुदरा ईंधन कीमतों में कमी की गुंजाइश है। एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अनुमान लगाया जा रहा है कि 17 सितंबर तक अंतरराष्ट्रीय उत्पाद कीमतों की तुलना में ओएमसी की शुद्ध प्राप्ति पेट्रोल के लिए 15 रुपये प्रति लीटर और डीजल के लिए 12 रुपये प्रति लीटर अधिक रही। इन ईंधन के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) मार्च, 2024 से यथावत हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहती हैं तो उनके दो से तीन रुपये प्रति लीटर की कमी करने की गुंजाइश है। कच्चे तेल की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में भारी गिरावट देखी गई है, जिसका मुख्य कारण कमजोर वैश्विक आर्थिक वृद्धि और उच्च अमेरिकी उत्पादन है। वहीं ओपेक एवं सहयोगी देशों ने गिरती कीमतों से निपटने के लिए अपने उत्पादन कटौती को वापस लेने के अपने फैसले को दो महीने के लिए आगे बढ़ा दिया। वहीं रविवार को दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रतिलिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये रुपये प्रतिलिटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये रुपये प्रतिलिटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये रुपये प्रतिलिटर है। वहीं दिल्ली में डीजल 87.62 रुपये रुपये प्रतिलिटर, मुंबई में डीजल 92.15 रुपये रुपये प्रतिलिटर, कोलकाता में डीजल 91.76 रुपये रुपये प्रतिलिटर और चेन्नई में डीजल 92.34 रुपये रुपये प्रतिलिटर है।

सितंबर में लिवाल की भूमिका में विदेशी निवेशक, 57,359 करोड़ रुपये की खरीदारी की

भारतीय बाजार में 9 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा एफपीआई का निवेश

नई दिल्ली। अमेरिका समेत कई देशों में ब्याज दरों में की गई कटौती और भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत फंडामेंटल्स के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुझान भारतीय बाजार की ओर काफी अधिक बढ़ गया है। सितंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अभी तक भारतीय बाजारों में 57 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से किया गया ये निवेश पिछले 9 महीने का सर्वोच्च स्तर है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती करने के बाद से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार में निवेश बढ़ा दिया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 57,359 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। अगर साल 2024 की बात की जाए तो भारतीय बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो का निवेश अभी तक 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि ब्याज दरों में कटौती होने की वजह से

लिक्विडिटी बढ़ी है। इसके साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती की वजह से भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को भारतीय बाजार काफी आकर्षक नजर आ रहा है। इसके अलावा वैश्विक सूचकांकों में भारत का वेटेज बढ़ने, बेहतर विकास संभावनाएं और लगातार आकर्षक आईपीओज की लॉन्चिंग के कारण भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजारों पर अपना ध्यान बढ़ा दिया है। यही कारण है कि विशेष रूप से सितंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशको के निवेश में तेजी आई है और इसमें अभी और तेजी आने की उम्मीद की जा रही है। इस महीने 27 तारीख तक भारतीय बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा किया गया 57,359 करोड़ रुपये का निवेश दिसंबर 2023 के बाद का अभी तक का सबसे ज्यादा निवेश है। दिसंबर 2023 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 66,135 करोड़ रुपये का निवेश किया था। हालांकि सितंबर का महीना खत्म होने में अभी एक और कारोबारी दिन बचा हुआ है, जिसमें विदेशी निवेश में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस साल जून से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बाजार में लगातार खरीदार की भूमिका में बने हुए हैं। हालांकि इसके पहले अप्रैल और मई के महीने में उन्होंने भारतीय बाजारों से कुल मिला कर 34,252 करोड़ रुपये की निकासी भी की थी। इन दोनों महीनों के अलावा जनवरी के महीने में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेदक लिवाली से ज्यादा बिकवाली करते नजर आए थे। लेकिन जनवरी, अप्रैल और मई के अलावा शेष सभी महीनों में विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में लिवाली करते हुए नजर आए हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। सोने के भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,550 रुपये से लेकर 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 71,100 रुपये से लेकर 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 95,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर

पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है जबकि 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भूल भुलैया 3 का मोस्ट अवेटेड टीजर हुआ रिलीज

रूह बाबा के रोंगटे खड़े कर रहा मंजूलिका का खौफ

कार्तिक आर्यन और विद्या बालन की मोस्ट अवेटेड भूल भूलैया 3 का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है. टीजर वाकई मजेदार है जिसमें हमें पता चलता है कि रूह बाबा और मंजूलिका आमने सामने होंगे. टीजर में विद्या बालन का लुक काफी डरावना है साथ ही फिल्म कॉमेडी का तड़का भी लगाया गया है. कार्तिक के अपोजिट तृप्ति डीमरी को कास्ट किया गया है जिसकी झलक भी हमें टीजर में देखने को मिलती है. भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन के रूह बाबा की वापसी हुई है और इस बार उनका सामना विद्या बालन की मंजूलिका से होगा. टीजर में गुस्से में मंजुलिका को अपनी कालकोठरी से बाहर निकलने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है. वहीं मंजूलिका अपने सिंहासन के लिए लड़ते हुए दिखती हैं. इसी से पता चलता है कि फिल्म में रूह बाबा और मंजूलिका के बीच कड़ी टक्कर होने वाली है. टीजर में तृप्ति डिमरी की झलक भी देखने को मिलती है जो इस फिल्म में कार्तिक के अपोजिट नजर आने वाली हैं. खबरें थीं कि इस फिल्म में माधुरी दीक्षित का खास कैमियो होगा लेकिन मेकर्स ने टीजर में उनकी झलक नहीं दिखाई गई है. उनके रोल का एक्साइटमेंट बरकरार रखने के लिए मेकर्स ने उन्हें टीजर में छिपा कर रखा है. हाल ही में मेकर्स ने एक नया पोस्टर रिलीज करते हुए मंजूलिका की झलक दिखाई थी जिसे देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई थी और सब इसकी पहली झलक के सामने आने का इंतजार कर रहे थे. भूल भलैया 3, भूल भूलैया फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है. पहली फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में थे और विद्या बालन मंजूलिका के रूप में थी. वहीं दूसरी फिल्म में कार्तिक आर्यन रूह बाबा के रूप में लीड रोल में थे और उनके अलावा फिल्म में कियारा आडवाणी और तब्बू थीं. दोनों फिल्मों को दर्शकों का खूब प्यार मिला और अब तीसरी फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ मंजूलिका का आमना-सामना देखने को मिलेगा. दिवाली पर भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन के बीच टक्कर होने वाली है, दोनों ही फिल्में दिवाली पर धमाकेदार ओपनिंग की उम्मीद कर रही हैं और अपनी रिलीज की तारीखों में बदलाव करने से इनकार कर रही हैं. भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी खास रोल में हैं.

नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक अलग श्रेणी के अभिनेता हैं:रेजिना कैसंड्रा

रेजिना कैसांद्रा, क्राइम थ्रिलर सेक्शन 108 में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी, जिन्हें उन्होंने एक अलग श्रेणी का अभिनेता बताया। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे प्रशंसित अभिनेता ने उनकी हिंदी बोलने की क्षमता सुधारने में उनकी मदद की। रेजिना, जिन्होंने मुगीज, कॉन्ज्यूरिंग कन्नप्पन और एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा जैसी फिल्मों में काम किया है, ने बताया, नवाजुद्दीन सिद्दीकी निश्चित रूप से एक अलग श्रेणी के अभिनेता हैं और मुझे उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। वह बहुत विनम्र इंसान हैं, बहुत व्यावहारिक और बहुत केंद्रित हैं। उन्होंने बताया कि वह अक्सर हिंदी नहीं बोल पाती हैं और रसिख खान द्वारा निर्देशित सेक्शन 108 की शूटिंग के दौरान उन्होंने मदद के लिए नवाजुद्दीन की ओर रुख किया था। उन्होंने कहा, अगर मुझे कहना ही है और वास्तव में चूंकि मैं दक्षिण से आती हूं, तो मैं उतनी बार हिंदी नहीं बोल पाती जितनी मैं चाहती हूं और मैं इसका अभ्यास भी उतनी बार नहीं करती। हालांकि मैं भाषा जानती हूं, मैं पढ़ और लिख सकती हूं। अभिनेत्री ने याद करते हुए कहा, एक दिन जब हम अपने दृश्य कर रहे थे, तो मैंने उनकी ओर देखा और कहा, सर, क्या हम दृश्य का एक-दो बार अभ्यास कर सकते हैं, क्योंकि मुझे अपनी हिंदी बेहतर करनी है? तो उन्होंने मेरी ओर देखा और कहा, चिंता मत करो, मेरी अंग्रेजी इतनी अच्छी नहीं है, इसलिए हमें इन दृश्यों का अधिक से अधिक अभ्यास करना होगा। विभिन्न भाषाओं में काम करने के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा: विभिन्न भाषाओं में काम करने की खूबसूरती, बस यह तथ्य कि आप जानते हैं, भावनाओं की कोई विशेष भाषा नहीं होती है, लेकिन सिर्फ यह तथ्य कि आपको इसे अलग तरीके से व्यक्त करना सीखना होता है, मुझे यह बहुत सुंदर लगता है। रेजिना को वह काम मिलना सौभाग्य की बात लगती है जो उसे मिल रहा है।

हाउसफुल 5 की स्टारकास्ट की तस्वीरें वायरल, अक्षय कुमार के साथ कॉमेडी करेंगे ये स्टार्स

अक्षय कुमार ने अपनी अगली फिल्म हाउसफुल 5 की शूटिंग शुरू कर दी है. पिछली बार अक्षय कुमार को कॉमेडी ड्रामा फिल्म खेल-खेल में में देखा गया था. अक्षय कुमार बीते कुछ सालों से बॉक्स ऑफिस पर फेल साबित हो रहे हैं. बीते दो सालों में रिलीज हुईं 8 से ज्यादा फिल्मों में से अक्षय कुमार की एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस साबित नहीं हुई है. अब अक्षय कुमार अपनी कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफुल के 5वें पार्ट की तैयारियों में जुट गये हैं. फिल्म हाउसफुल की अब पूरी स्टारकास्ट सामने आ चुकी है. अक्षय कुमार और चंकी पांडे ने सेट से तस्वीरें शेयर की हैं. अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, इस तस्वीर में अक्षय कुमार अपनी हाउसफुल टीम के साथ हैं. इन तस्वीर में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख,

अभिषेक बच्चन, दीनो मोरिया और जैकलीन फर्नांडिस दिख रही हैं. इस तस्वीर को शेयर कर अक्षय कुमार ने लिखा है, इनक्रिडेबल कास्ट के साथ एक और दिन, एक क्रूज और बतानें के कभी ना खत्म होने वाली कहानी. इस तस्वीर पर जैकलीन ने हार्ट इमोजी शेयर किया है.वहीं, इससे पहले चंकी पांडे ने फ्रांस से हाउसफुल 5 की स्टारकास्ट के साथ तस्वीरें शेयर की थीं. इन तस्वीरों में चंकी पांडे, नरगिस फाखरी, चित्रांग्दा सिंह, दीनो मोरिया दिख रहे हैं. इन तस्वीरों में चंकी पांडे ने अपनी सोलो तस्वीर भी शेयर की हैं. बता दें, साजिद नाडियाडवाला फिल्म हाउसफुल के प्रोड्यूसर हैं और तरुण मनसुखानी फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं. पहले फिल्म हाउसफुल 5 इस मौजूदा साल की दिवाली को रिलीज होनी थी, लेकिन अब फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज होगी.

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक ने नाइट ड्रेस में कराया बोल्ड फोटोशूट

हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का पारा

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक अक्सर बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर के सोशल मीडिया का पारा गर्म कर देती हैं। उनकी हर एक तस्वीर इंटरनेट पर आते ही छा जाती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सेक्सी अंदाज देखकर फैंस के पसीने छूट गए हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच तबाही मचाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी बलखाती हुई अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस फोटोज पर लाइक्स करते नहीं थकते हैं। नेहा मलिक ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाउट कलर का सैटिन थाई स्लिट नाइट ड्रेस पहना हुआ था, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही थीं। उनका इस लुक ने इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है। बालों को कर्ली स्टाइल लुक देकर और लाइट मेकअप साथ ही पिंक लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है। एक्ट्रेस नेहा मलिक की इन फोटोज पर अब तक कई यूजर्स ने कॉमेंट्स कर दिए हैं। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- ब्यूटिफुल पिक। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- बम पटोला। तीसरे यूजर ने लिखा है- यू स्ले क्वीन।

फिल्म द सिग्नेचर का ट्रेलर रिलीज, बुढ़ापे की चुनौतियों से जंग लड़ते दिखे अनुपम खेर

दिग्ग्ज अभिनेता अनुपम खेर ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। उनकी आने वाली हर फिल्म की राह दर्शक बड़ी बेसब्री से देखते हैं।अनुपम की फिल्म द सिग्नेचर का भी दर्शकों को इंतजार है और यह इसलिए भी खास है, क्योंकि ये उनके करियर की 525वीं फिल्म है।अब उनकी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें अनुपम ने एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है। जिंदगीभर तमाम जिम्मेदारियां निभाने के बाद बुढ़ापे में हर कोई आराम और सुकून की जिंदगी बिताना चाहता है, लेकिन असल में वृद्धावस्था की अपनी अलग चुनौतियां हैं।मां-बाप के बुढ़ापे में कैसे उसकी संतान का रवैया बदल जाता है, यही सब इस फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है। अनुपम एक बुजुर्ग पिता की भूमिका में हैं, जो वृद्धावस्था की चुनौतियों से लड़ते दिख रहे हैं।इस दिल छू लेने वाली कहानी का ट्रेलर काफी भावुक कर देने वाला है। बेहद दर्दनाक होता है किसी को खो देना, पर बेहद खौफनाक होता है किसी को खो देने का डर,

ट्रेलर की यह पंचलाइन किसी को भी भावुक कर दे।ट्रेलर देख एक यूजर ने लिखा, भाई ट्रेलर ने ऐसे रुला दिया। फिल्म देखकर क्या होगा। अनुपम सचमुच गजब के कलाकार हैं।दूसरे ने लिखा, सभी पुराने और शानदार कलाकारों को साथ देख दिन बन गया। वास्तव में जिंदगी की हकीकत यही है। अपना कोई नहीं है। फिल्म में अनु कपूर, नीना कुलकर्णी, रणवीर शौरी और महिमा चौधरी जैसे मंझे हुए कलाकार भी हैं। द सिग्नेचर का निर्देशन गजेंद्र अहिरे ने किया है।यह फिल्म जी5 पर 4 अक्टूबर को रिलीज हो रही है।

अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी का आएगा सीक्वल, निर्देशक सुदीप्तो सेन ने लगाई मुहर

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी को 5 मई, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और यह पिछले साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। इसके निर्देशन की कमान सुदीप्तो सेन ने संभाली है।15 करोड़ रुपये की लागत में बनी द केरल स्टोरी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 242.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।अब निर्देशक सुदीप्तो ने द केरल स्टोरी के सीक्वल पर मुहर लगा दी है। सुदीप्तो ने कहा, फिल्म द केरल स्टोरी का सीक्वल बन रहा है। फिल्म की कहानी लिखी जा रही है।इसके साथ उन्होंने बताया कि द केरल स्टोरी 2 की कहानी हेमा कमेटी पर

आधारित नहीं होगी।उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि यह जानकारी कहां से सामने आई, लेकिन यह सच नहीं है। रिपोर्ट देखने के बाद मैं और विपुल शाह (फिल्म के निर्माता) हंस पड़े थे। जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले शोषण और उत्पीडन का खुलासा किया गया है, जिसमें कास्टिंग काउच और पुरुष प्रधान मानसिकता जैसी समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है। द केरल स्टोरी में अदा के अलावा योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धि इदनानी भी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं।फिल्म की कहानी केरल की लड़कियों का धर्म परिवर्तन कर आतंकी संगठन में शामिल कराने पर आधारित थी।इसी वजह से फिल्म को लेकर विरोध हुआ और इस पर प्रतिबंध लगाने का मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा, लेकिन कोर्ट में फिल्म के हक में फैसला सुनाया।द केरल स्टोरी को आप जी5 पर देख सकते हैं।